दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

बुलेट ट्रेन के बाद अब .....

डेटिंग एप्स पर .....

वर्ष : 11 अंक : 221 लखनऊ, 28 जुलाई, सोमवार 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरि : प्रधानमंत्री मोदी

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आयोजित आदि तिरुवथिराई महोत्सव में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्र की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।

आध्यात्मिक अनुभव और काशी का नाता

कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'मैं तो काशी का सांसद हूं और जब मैं 'ॐ नमः शिवाय' सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। शिव दर्शन की अद्भुत ऊर्जा, श्री इलैयाराजा का संगीत और मंत्रोच्चार, यह आध्यात्मिक अनुभव मन को भावविभोर कर देता है।' उन्होंने भगवान शिव से सभी पर कृपा बरसाने की प्रार्थना करते हुए 'हर हर महादेव' का जयघोष किया।

चोल साम्राज्य की विरासत और विकसित भारत का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने चोल राजाओं के राजनयिक और व्यापारिक संबंधों के विस्तार का उल्लेख किया, जो श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैले हुए थे। उन्होंने इस बात पर भी गौर किया कि वे एक दिन पहले ही मालदीव से लौटे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और उसकी विरासत भारत के वास्तविक सामर्थ्य का प्रतीक है और यह उस भारत के सपने की प्रेरणा है, जिसे लेकर आज हम विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चोल राजाओं ने भारत को सांस्कृतिक एकता में पिरोया था और आज केंद्र सरकार चोला युग के उन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने काशी-तमिल संगमम् और सौराष्ट्र-तमिल संगमम् जैसे आयोजनों का उदाहरण दिया, जिनके माध्यम से सदियों पुराने एकता के सूत्रों को मजबूत किया जा रहा है।

सेंगोल की स्थापना और राष्ट्रीय गौरव

पीएम मोदी ने देश की नई संसद के लोकार्पण समारोह को भी याद किया, जहां शिव आदीनम के संतों ने आध्यात्मिक नेतृत्व किया था और तमिल संस्कृति से जुड़े 'सेंगोल' को संसद में स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा, 'मैं आज भी उस पल को याद करता हूं तो गौरव से भर जाता हूं।'

आर्थिक और सामरिक उन्नति की प्रेरणा

प्रधानमंत्री ने चोल युग में भारत द्वारा छुए गए आर्थिक और सामरिक उन्नति के शिखर को आज भी प्रेरणादायक बताया। उन्होंने राजराजा चोल द्वारा एक शक्तिशाली नौसेना के निर्माण और राजेंद्र चोल द्वारा इसे और सुदृढ़ करने का उल्लेख किया।

वर्तमान भारत की सुरक्षा प्राथमिकता

वर्तमान भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज का भारत अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है।

पुणे में क्राइम ब्रांच ने रेव पार्टी पर मारा छापा

पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद समेत 7 ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, पुणे पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने शहर की एक रेव पार्टी पर छापा मारकर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर भी शामिल हैं। पुलिस को छापेमारी के दौरान पार्टी स्थल से कोकेन सहित कई नशीले पदार्थ बरामद हुए हैं।

पुलिस की छापेमारी और गिरफ्तारी

रविवार सुबह पुलिस ने बताया कि पुणे शहर के पॉश खराडी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी चलने की सूचना मिलने पर अपराध शाखा की टीम ने छापा मारा। इस छापेमारी में गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ भी जब्त किए गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी दी, 'हमें खराडी इलाके के एक अपार्टमेंट में रेव पार्टी होने की सूचना मिली थी। इसी आधार पर हमारी अपराध शाखा की टीम ने छापेमारी की।' उन्होंने आगे बताया, 'छापेमारी के दौरान गांजा, शराब और हुक्का जैसे नशीले पदार्थ बरामद हुए। हमने सात लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं हैं।' सभी गिरफ्तार व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया है और उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

प्रांजल खेवलकर कौन हैं?

प्रांजल खेवलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) की नेता एडवोकेट रोहिणी खडसे के पति हैं। उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल के अनुसार, प्रांजल एक उद्यमी, समाजसेवी और डॉक्टर हैं। कटऊ के मुताबिक, वह एक गतिशील व्यवसायी और निमार्ता हैं। उन्होंने अपने बैनर समर प्रोडक्शंस के तहत जारी संगीत वीडियो 'ना होना तुमसे दूर' से मनोरंजन उद्योग में कदम रखा था। डॉ. खेवलकर डिजिटल परिदृश्य का लाभ उठाते हुए ओटीटी क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से अवसर तलाश रहे थे। उनके व्यावसायिक हितों में चीनी और बिजली उद्योग के साथ-साथ इवेंट मैनेजमेंट भी शामिल है।

एकनाथ खडसे की प्रतिक्रिया

पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे ने इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें अभी-अभी इस बारे में पता चला है और वे अधिक जानकारी जुटा रहे हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

संक्षिप्त समाचार

आठ बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम से वापस भेजा गया : हिमंत विश्व शर्मा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि असम के दक्षिण सलमारा से आठ बांग्लादेशी घुसपैठियों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। शर्मा ने कहा कि राज्य पुलिस घुसपैठ को रोकने के लिए सीमा पर कड़ी निगरानी रख रही है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अवैध घुसपैठ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी है। कल रात सलमारा पुलिस ने आठ बांग्लादेशी घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस भेज दिया। असम पुलिस भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने की इन सभी कोशिशों को विफल करने के लिए कड़ी निगरानी रख रही है। असम पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे अवैध प्रवासियों, विशेषकर बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पंजाब में आईएसआई समर्थित हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

अमृतसर , पंजाब में अमृतसर की ग्रामीण पुलिस ने विभिन्न केंद्रीय एजेंसी के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान के तहत अत्याधुनिक हथियारों की सीमा पार तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पंजाब पुलिस प्रमुख ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह का पाकिस्तान स्थित खुफिया एजेंसी आईएसआई (इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस) के गुर्गों से संबंध था। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक एके सैगा 308 असॉल्ट राइफल, दो मैगजीन, चार मैगजीन के साथ दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, एके राइफल के 90 कारतूस, पिस्तौल के 10 कारतूस, 7.50 लाख रुपये नकद, एक कार और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शनिवार रात यहां हवाई अड्डे पर मुलाकात की। पार्टी ने यह जानकारी दी। पलानीस्वामी ने शनिवार रात हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया और कुछ मिनट तक उनसे बातचीत की। इस साल अप्रैल में अन्नाद्रमुक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच चुनावी गठबंधन होने के बाद पलानीस्वामी की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी। यह मुलाकात अन्नाद्रमुक के इस दावे के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत मिलेगा और वह अपने दम पर सरकार बनाएगी, जबकि भाजपा अपने इस रुख पर अड़ी हुई है कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनाव जीतता है तो वह सरकार का हिस्सा होगी। तमिल मानिला कांग्रेस (मूपनार) के शीर्ष नेता जी के वासन भी प्रधानमंत्री की अगवानी के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। अन्नाद्रमुक समर्थक एक टेलीविजन चैनल से विशेष बातचीत के दौरान पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के दौरान उनसे हुई संक्षिप्त बातचीत को शानदार बताया। प्रधानमंत्री मोदी लगभग 4,900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद शनिवार रात तूतीकोरिन से यहां पहुंचे।

अफवाह बनी जानलेवा, मनसा देवी मंदिर में भगदड़ से 6 श्रद्धालुओं ने गंवाई जान

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

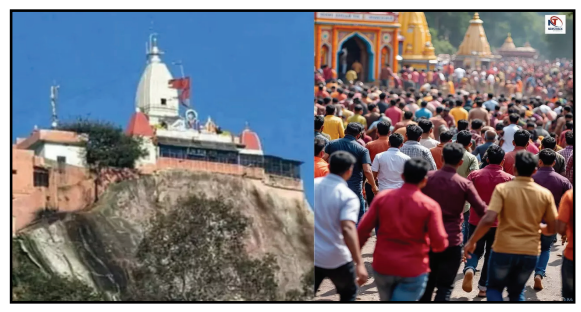

हरिद्वार, उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह एक भीषण भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। इस दुखद घटना के बाद राज्य में शोक का माहौल है।

घटना का कारण और शुरूआती जानकारी

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, श्रावण मास के चलते मनसा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। पुलिस के वरिष्ठ अधीक्षक (एसएसपी) प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने बताया कि भगदड़ मंदिर मार्ग से लगभग 100 मीटर नीचे सीढ़ियों पर बिजली का झटका लगने की अफवाह फैलने के बाद मची। इस अफवाह के कारण लोगों में अफरा-तफरी मच गई, जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, भगदड़ के सटीक और विस्तृत कारणों की पुष्टि के लिए पुलिस द्वारा गहन जाँच जारी है।

एसएसपी डोभाल ने जानकारी दी, 'हमें कुछ लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। लगभग 35 लोगों को अस्पताल लाया गया, और दुर्भाग्यवश, छह लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है।'

मुख्यमंत्री का संज्ञान और राहत कार्य

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस हादसे पर तुरंत संज्ञान लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य तेजी से जारी है। मुख्यमंत्री धामी ने लिखा, 'एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गए हैं और राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं। मैं इस मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन के लगातार संपर्क में हूँ और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।' उन्होंने प्रशासन को घायलों के समुचित इलाज और मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों का बयान

इस भगदड़ में घायल हुए एक श्रद्धालु ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया, अचानक वहाँ भारी भीड़ जमा हो गई और भगदड़ मच गई। इस दौरान मैं गिर गया और मेरा हाथ टूट गया। उनके बयान से घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सिनेमा घर को लाइसेंस देने का अधिकार दिल्ली पुलिस से वापस लेकर सरकार को सौंपा गया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने सिनेमा घर, थिएटर और मल्टीप्लेक्स को लाइसेंस देने का अधिकार पुलिस से वापस लेकर सरकार को दे दिया है।एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

राज निवास की ओर से शुक्रवार को जारी एक आदेश में, उपराज्यपाल ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वह संबंधित पुलिस अधिकारियों को चलचित्र अधिनियम के तहत लाइसेंस देने से संबंधित मामलों से तत्काल प्रभाव से अलग रहने का निर्देश दें। अधिकारी ने बताया कि लाइसेंसिंग व्यवस्था को और उदार बनाने तथा दिल्ली में कारोबार को सुगम बनाने के उद्देश्य से उठाए गए इस कदम के तहत संबंधित जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता वाली समिति के पास चलचित्र अधिनियम, 1952 के तहत लाइसेंस देने की सिफारिश करने का अधिकार होगा। समिति में संबंधित एमसीडी जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव की ओर से नामित एक संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी की ओर से नामित एक अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञ और बिजली विभाग के सचिव की ओर से नामित एक विद्युत प्रणाली विशेषज्ञ शामिल होंगे। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि भी जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नामित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़: सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ जारी, चार माओवादियों का शव बरामद

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

बीजापुर, छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक चार माओवादियों के शव बरामद किये गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिलने पर सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान शाम (शनिवार) से ही सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने अब तक मुठभेड़ स्थल से चार माओवादियों के शव और इंसास, एसएलआर राइफलों सहित कई अन्य हथियार, विस्फोटक सामग्री व दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की हैं। उन्होंने बताया कि चूंकि अभियान अभी भी जारी है, इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती। अधिकारियों ने बताया कि अभियान पूरी होने के बाद विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

बिहार चुनाव: तेज प्रताप यादव महुआ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने घोषणा की है कि वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में वैशाली जिले की महुआ सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे।

यादव को हाल में उनके पिता एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के संस्थापक अध्यक्ष लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। वह समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से विधायक हैं। यादव ने शनिवार शाम यहां अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, हां, इस बार मैं महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ूंगा। मेरे विरोधियों को जरूर दिक्कत होगी।

उन्होंने कहा, मुझे लोगों का समर्थन प्राप्त है...बड़ी संख्या में लोग सोशल मीडिया मंच टीम तेज प्रताप यादव से जुड़े हैं। यादव ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना पद नहीं बचा पाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि चाचा (नीतीश) मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे... जो लोग सरकार बनाएंगे अगर वे युवा, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करेंगे तो तेजप्रताप यादव उनके साथ खड़ा रहेगा।

बिहार के पूर्व मंत्री को उनके पिता लालू यादव ने 25 मई को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। तेज प्रताप यादव द्वारा सोशल मीडिया पर अनुष्का नाम की महिला के साथ संबंध की बात स्वीकार किए जाने के बाद उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

तेज प्रताप यादव ने बाद में सोशल मीडिया मंच फेसबुक से यह पोस्ट हटा दी और कहा था कि उनका पेज हैक हो गया था। लालू प्रसाद ने यादव के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के कारण उनसे अपना संबंध भी तोड़ लिया।

पार्टी से निष्कासन के कुछ दिनों बाद तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि उनके और उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच कड़वाहट पैदा करने की साजिश रची जा रही है।

बिहार में अपराध पर घमासान, तेजस्वी का चिराग पासवान पर पलटवार

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। राज्य में बढ़ते अपराधों के कारण नीतीश सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर है। सिर्फ.विपक्ष ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगी दल लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के नेता चिराग पासवान भी नीतीश सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं।

हाल ही में, होमगार्ड परीक्षा के लिए आई एक महिला के साथ हुए गैंगरेप की घटना को लेकर चिराग पासवान ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला था। अब, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने चिराग पासवान को आड़े हाथों लिया है।

तेजस्वी यादव का चिराग पासवान पर पलटवार

चिराग पासवान के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'हम लगातार कहते रहे हैं कि बिहार में कानून-व्यवस्था आपराधिक अराजकता में बदल गई है। अपराधी 'विजय' और 'सम्राट' बन गए हैं। चिराग पासवान इस पर सिर्फ. अफसोस जता रहे हैं, यानी वो मानते हैं कि वो सरकार का हिस्सा हैं, लेकिन अफसोस जताने के अलावा वो कुछ नहीं कर सकते। इससे पता चलता है कि वो एक कमजोर मंत्री हैं, एक कमजोर सहयोगी हैं।'

तेजस्वी यादव ने आगे कहा, 'आप इस सरकार में हैं, जिसका एक इंजन भ्रष्टाचार का है और दूसरा अपराध का, और आप सिर्फ.अफसोस जता रहे हैं। आपने क्या कार्रवाई की है? इसका मतलब है कि भ्रष्टाचार चलता रहेगा, लेकिन आप अपनी कुर्सी नहीं छोड़ेंगे। इससे पता चलता है कि आपको बिहार से कम और अपनी कुर्सी से ज्यादा लगाव है।'

तेजस्वी यादव के इस बयान से स्पष्ट है कि राजद आगामी चुनाव में कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार को एक प्रमुख मुद्दा बनाने की तैयारी में है, वहीं चिराग पासवान के बयानों को लेकर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

चिराग पासवान ने क्या कहा था?

होमगार्ड की परीक्षा के लिए आई महिला के साथ हुए गैंगरेप की घटना पर चिराग पासवान ने नीतीश सरकार पर तीखा हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और अपराधी बेलगाम हो गए हैं। चिराग पासवान ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें ऐसी सरकार का बचाव करना पड़ रहा है जो बिहार वासियों को सुरक्षा देने में विफल हो चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रशासन अपराधियों के सामने नतमस्तक है और पुलिस-प्रशासन ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकामयाब है, तो ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? चिराग ने यह भी चेतावनी दी थी कि अगर यही सिलसिला जारी रहा तो प्रदेश के लिए स्थिति और भी भयावह हो जाएगी।

म्यूजिक बजाकर माल में पति ने ईंट से कूचकर की पत्नी की हत्या

माल पुलिस ने आरोपी की तलाश में टीमें गठित कर कई जगहों पर दी दबिश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के पकरा बाजार गांव में रविवार को एक दिल दहलाने वाली घटना घटी। सुबह पति ने पत्नी के सिर पर ईंट से कई वार कर मौत के घाट उतार दिया। इस दौरान आरोपी ने घर में तेज आवाज में साउंड सिस्टम पर गाना बजाया, जिससे किसी को पत्नी की चीखें न सुनाई दें। वारदात के समय चार साल की बेटी घर के बाहर खेल रही थी। जब वह अंदर गई तो उसने मां को खून से लथपथ पड़ा देखा और शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर लोग दौड़े तो आरोपी नंगे पांव वहां से भाग गया। पड़ोसी महिला को माल सीएचसी ले गए, जहां से उसे ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

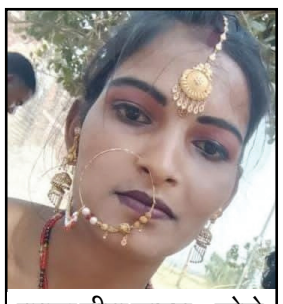

मृतका सीमा फाइल – फोटो

घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मी व अन्य लोग

महिला के सिर पर किए कई वार

माल के पकरा निवासी रवि की शादी छह साल पहले उन्नाव जनपद के औरास के तलवा पिछवारा निवासी 27 वर्षीय सीमा से हुई थी। मिली जानकारी के अनुसार रविवार को रवि शराब के नशे में घर आया और सीमा से झगड़ने लगा। इसके बाद वह कमरे से साउंड सिस्टम लाया और आंगन में तेज आवाज में गाने बजाने लगा। इस दौरान दंपति की चार साल की बेटी पलक बाहर खेल रही थी। सीमा ने गाना बंद करने को कहा तो उसने उसके सिर पर ईंट से कई वार कर हत्या कर दी। आशंका जताई जा रही है कि रवि ने सीमा की हत्या का प्लान पहले से बनाया था। उसी के मुताबिक उसने साउंड सिस्टम लगाकर तेज गाना बजाया।

24 जुलाई को चंडीगढ़ से लौटा था

आरोपी रवि सास-ससुर के साथ चंडीगढ़ में मजदूरी करता था और 24 जुलाई को यहां गांव आया था। ग्रामीणों का कहना है कि रवि शराब पीने का आदी था। यहां वो अपने बीमार बहनोई को देखने गांव आया था और कुछ दिनों से यहीं रुका हुआ था। सीमा की आठ वर्षीय बड़ी बेटी पायल नानी के साथ चंडीगढ़ में है। पुलिस से वारदात की सूचना पाकर सीमा के परिजन और उनकी बेटी चंडीगढ़ से लखनऊ के लिए निकल चुके।

आरोपी की तलाश में जुटी कई टीमें

घटना की जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर नवाब अहमद, व एसीपी विनीत सिंह मौके पर पहुंचे वहीं मौके पर पहुंच फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य. आरोपी की तलाश में अधिकारियों ने तीन टीमें गठित कर कई जगहों पर दी दबिश। स्थानीय लोगों के अनुसार सीमा की बेटी पलक भी अगर आंगन में होती, तो शायद उसकी जान भी नहीं बचती। इंस्पेक्टर नवाब अहमद का कहना है कि मृतका के परिजनों ने फोन पर कहा कि जब तक हम न पहुंचे तब तक पोस्टमार्टम की कार्रवाई न की जाए।

ईएसआइसी अस्पतालों में बड़े बदलाव की तैयारी, दवाओं की शुरू होगी होम डिलीवरी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में पंजीकृत करीब 29.5 लाख बीमित श्रमिकों के लिए खुशखबरी है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन आने वाले ईएसआइसी अस्पतालों और औषधालयों में अब सुविधाओं का बड़ा विस्तार होने जा रहा है। इन संस्थानों में न सिर्फ डाक्टरों व स्टाफ की संख्या बढ़ेगी, बल्कि अत्याधुनिक उपकरणों से लैस ओपीडी, स्वास्थ्य शिविर और दवाओं की होम डिलीवरी जैसी सेवाएं भी शुरू होंगी। प्रदेश में वर्तमान में ईएसआइसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम) के छह अस्पताल संचालित हैं। जो लखनऊ, वाराणसी, कानपुर के जाजमऊ, गाजियाबाद के साहिबाबाद, नोएडा और बरेली में हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार के ईएसआइएस (कर्मचारी राज्य बीमा योजना) के 10 अस्पताल हैं। इसमें कानपुर में चार, और एक-एक अस्पताल आगरा, अलीगढ़, सहारनपुर, गाजियाबाद जिले के मोदीनगर, प्रयागराज के नैनी और सोनभद्र के पिपेई में स्थित हैं। पूरे प्रदेश में ईएसआइएस के 94 औषधालय भी हैं। अब तक 29,54,850 बीमित व्यक्ति इन अस्पतालों और औषधालयों में पंजीकरण कराया है और चिकित्सा सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। अभी ईएसआइसी ने वाराणसी में एक नए मेडिकल कालेज को स्वीकृति दी है। इसके लिए निश्शुल्क भूमि उपलब्ध कराई जानी है, जिसकी पहचान वाराणसी जिला प्रशासन ने कर ली है। उधर, सभी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं के उन्नयन के लिए मंत्री अनिल राजभर और प्रमुख सचिव डा. एमके शन्मुगा सुन्दरम के साथ एक उच्चस्तरीय टीम ने हाल ही में हैदराबाद, चेन्नई और फरीदाबाद के उत्कृष्ट ईएसआइसी अस्पतालों का दौरा किया। यह टीम अब यूपी के सभी ईएसआइएस अस्पतालों और औषधालयों की स्थिति की समीक्षा कर रही है। विभाग के प्रमुख सचिव डा. एमके शन्मुगा सुन्दरम ने बताया कि इस दौरे के बाद अस्पतालों के बुनियादी ढांचे, चिकित्सा उपकरणों, चिकित्सकीय और नर्सिंग स्टाफ की संख्या में बढ़ोतरी और सेवा वितरण प्रणाली को आधुनिक बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसमें बीमित व्यक्ति को विभागवार ओपीडी की सुविधा, समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर, आवश्यक दवाओं की होम डिलीवरी, चिकित्सा उपकरणों और आधारभूत सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। यह बदलाव औद्योगिक क्षेत्रों में काम कर रहे श्रमिकों के लिए राहत देगा, बल्कि उन्हें सरकारी स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं भी सुनिश्चित करेगा।

ऑटो पलटने से उसमें सवार आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रविवार को तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर अचानक पलट गया। हादसे में ऑटो ड्राइवर समेत आधा दर्जन से अधिक सवारियां घायल हो गई। जिसमें से एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार रविवार शाम को मलिहाबाद कसमंडी निवासी राजा ऑटो में सवारी लेकर रहीमाबाद की तरफ आ रहा था। वह लखनऊ हरदोई हाईवे पर जिंदौर गांव के पास पहुंचा ही था तभी अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया। हादसे में ड्राइवर राजा व ऑटो सवार हरदोई के संडीला निवासी अंशू सिंह, उनकी पत्नी विमला सिंह, राजाजीपुरम की खुशबू, रहीमाबाद के सरोजनी, सीटू व एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जिसमें एक महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं अन्य सभी घायल खतरे से बाहर है। और उनको अपने अपने घर भेज दिया गया है।

कांवड़ियों का जत्था बाबा धाम के लिए रवाना

700 कांवड़ियों का जत्था गाजे बाजे के साथ मलिहाबाद पहुंचा, हिंदू संगठन के लोगों ने पुष्प वर्ष कर जलपान की व्यवस्था की

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उन्नाव के शुक्लागंज से जल भरकर मित्र मंडल कांवड़िया का जत्था रविवार को मलिहाबाद पहुंचा। भोलेनाथ के जयघोष, डीजे, गाजे-बाजे और झांकियों के साथ 700 कांवड़ियों का यह काफिला दोपहर को मलिहाबाद पहुंचा।विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्यों ने पुष्प वर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया और जलपान कराया। कांवड़िये ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजों और डीजे की धुनों पर झूमते रहे। ₹हर-हर महादेव₹ और ₹बोल बम₹ के नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

कई श्रद्धालु पारंपरिक भगवा वस्त्रों में नजर आए। सजावट के साथ श्रृंगारित कांवड़ें आकर्षण का केंद्र बनीं। मलिहाबाद कस्बे से गुजरते समय जगह-जगह हिंदू संगठनों ने फूल माला पहनाकर कांवड़ियों का स्वागत किया।

कांवड़ियों का स्वागत करते संगठन के लोग

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष सुमित सिंह ने बताया कि ये कांवड़िये उन्नाव जनपद से गंगाजल लेकर आए हैं। मलिहाबाद में संगठन द्वारा फूल माला, फल और पानी की व्यवस्था की गई। इसके बाद कांवड़ियों का जत्था माल भरावन होते हुए हरदोई जनपद के अतरौली लालपुर खाले पहुंचेगा। वहां बाबा सिद्धनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे।

यह यात्रा हर वर्ष सावन माह के पवित्र महीने में कांवड़ के रूप में निकलती है। इस अवसर पर हिंदू जागरण मंच सहसंयोजक संतोष सिंह, विश्व हिंदू परिषद विभाग सह मंत्री भूपेंद्र, गौशाला प्रबंधक उमाकांत गुप्ता, ठाकुर जी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष अक्षत तिवारी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। पत्रकार अजय कुमार सिंह, लक्ष्य कोचिंग क्लासेज एमडी मनोज मौर्य ,प्रवेश कुमार मौर्य, गोपाल मौर्य, हरिओम, हरिशंकर शुक्ला, राकेश, सुमित और अन्य हिंदू संगठनों के लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

योगी सरकार ने 66 पीसीएस अफसरों का किया तबादला

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने रविवार की रात 66 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इनमें से 63 अधिकारी वह हैं जिन्हें 30 जून को तहसीलदार से पीसीएस के पद पर पदोन्नति मिली थी। अब उन्हें नई तैनाती दे दी गई है।

सभी उपजिलाधिकारी स्तर के अधिकारी हैं। श्रद्धा पांडेय एसडीएम आगरा से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम आगरा, प्रदुमन कुमार एसडीएम श्रावस्ती से कानपुर देहात, जय प्रकाश यादव शाहजहांपुर से सहारनपुर, अजीत कुमार सिंह चंदौली से विशेष कार्याधिकारी बरेली विकास प्राधिकरण, रामशंकर-द्वितीय उन्नाव से गाजियाबाद, घनश्याम भारतीय बलिया से ललितपुर, लखन लाल सिंह राजपूत बांदा से अयोध्या, पैगाम हैदर शाहजहांपुर से हमीरपुर, कमल कुमार सिंह आजमगढ़ से औरैया, पवन कुमार गुप्ता मथुरा से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम वाराणसी बनाए गए हैं।

इसी प्रकार ध्रुव नारायण यादव रायबरेली से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम कानपुर, शिव नरेश सिंह अंबेडकरनगर से मैनपुरी, कृषण राज सिंह फिरोजाबाद से सहारनपुर, अखिलेश कुमार संभल से मथुरा, रामेश्वर प्रसाद लखनऊ से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ, सत्य पाल सिंह गोंडा से सहायक निदेशक स्थानीय निकाय निदेशालय, सौरभ यादव मथुरा से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, जितेन्द्र कुमार सिंह कासगंज से झांसी व चन्द्र प्रकाश सिंह हाथरस से आजमगढ़ में एसडीएम बनाए गए हैं।

संत राज को सिद्धार्थनगर से कुशीनगर, संतोष कुमार कुशवाहा बांदा से अयोध्या, पूर्णिमा सिंह कुशीनगर से अयोध्या, प्रो. असलम इटावा से शाहजहांपुर, सुशील कुमार मऊ से मथुरा, धर्मवीर भारती बुलंदशहर से फिरोजाबाद, ह्रदय राम तिवारी बस्ती से संतकबीरनगर, उदयवीर सिंह अलीगढ़ से उन्नाव, अरसाला नाज उन्नाव से औरैया, अभिषेक शाही गौतमबुद्धनगर से यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, कृष्ण गोपाल त्रिपाठी गोरखपुर से यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण का उपजिलाधिकारी बनाया गया है।

सीतापुर की एसडीएम तपस्या यादव को अलीगढ़ में सहायक नगर आयुक्त, हरदोई के एसडीएम अजय कुमार को लखनऊ में बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, गौतमबुद्धनगर की एसडीएम तनुजा निगम को मेरठ का सहायक नगर आयुक्त बनाया गया है।

आगरा के उपजिलाधिकारी मान्धाता प्रताप सिंह उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ में विशेष कार्याधिकारी, एसडीएम नोएडा शशि कुमार विशेष कार्याधिकारी राहत आयुक्त लखनऊ, एसडीएम मीरजापुर तरुण प्रताप सिंह को सहायक नगर आयुक्त शाहजहांपुर बनाया गया है।

स्निग्धा चतुर्वेदी को यूपीडा लखनऊ से मुरादाबाद, आकांक्षा जोशी को हरदोई से प्रतापगढ़, रवीन्द्र प्रताप सिंह को फिरोजाबाद से सहायक नगर आयुक्त फिरोजाबाद, रवि कुमार सिंह को गोरखपुर से सहायक नगर आयुक्त गोरखपुर, आशीष कुमार त्रिपाठी को मीरजापुर से सोनभद्र, रजनीश कुमार को मथुरा से ललितपुर, सुमित कुमार सिंह को अयोध्या से आगरा, विकास सिंह को लखनऊ से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ भेजा गया है।

विराग करवरिया को लखनऊ विकास प्राधिकरण से उप जिलाधिकारी लखनऊ, विनीत कुमार सिंह को हरदोई से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ, बृज मोहन शुक्ला को बलरामपुर से उन्नाव, चन्द्र प्रकाश पांडेय को बुलंदशहर से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम झांसी, सुशील प्रताप सिंह को गोरखपुर से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम गाजियाबाद, प्राची त्रिपाठी को बाराबंकी से विशेष कार्याधिकारी राजस्व परिषद लखनऊ भेजा गया है।

सराह अशरफ को संभल से रायबरेली, सीमा सिंह को नोएडा से सीतापुर, मृदुला दुबे को शामली से मेरठ, सत्यपाल प्रजापति को बलरामपुर से कानपुर नगर, ज्ञान प्रताप सिंह को गोरखपुर से अयोध्या, विशाल सिंह यादव को मैनपुरी से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम मुरादाबाद, मोनालिसा जौहरी को मुजफ्फरनगर से बहराइच, अभय सिंह को आगरा से मुरादाबाद व तान्या को हरदोई से सहायक नगर आयुक्त नगर निगम झांसी में तैनात किया गया है।

सात अधिकारियों की तैनाती में नहीं हुआ फेरबदल

प्रमोटी पीसीएस अधिकारियों में सात अधिकारी ऐसे हैं जिनकी तैनाती में कोई फेरबदल नहीं हुआ है।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर योगी सरकार कटघरे में !

एनएसयूआइ ने किया आंदोलन का एलान

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। अखिल भारतीय छात्र संगठन (एनएसयूआइ) की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी सरकार छात्र संघों के चुनाव नहीं करा रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरा और कहा कि हाईकोर्ट ने वर्ष 2018 में छात्र संघों के चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। इस मुद्दे को लेकर एनएसयूआइ की तरफ से विश्वविद्यालयों के सामने प्रदर्शन किए जाएंगे। साथ ही स्कूलों के विलय और बेरेजगारी सहित युवाओं के अन्य मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उन्होंने एनएसयूआइ की प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार संगठन की बैठक भी की। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार राज्य के पांच हजार से ज्यादा सरकारी विद्यालयों का विलय कर रही है। सरकार का यह निर्णय गरीब व दलित विद्यार्थियों के हित में नहीं है। एनएसयूआइ ने नौनिहालों के भविष्य के मद्देनजर न्यायालय में वाद दाखिल किया। न्यायालय द्वारा सरकारी विद्यालयों के विलय पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा प्रदेश में बेरोजगार युवाओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। विश्वविद्यालयों के अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित रखा जा रहा है। राज्य के कई सरकारी स्कूलों की इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। इसके विरोध में एनएसयूआइ की तरफ से सरकार के विरुद्ध पोल खोल अभियान चलाया जाएगा। इससे पहले उन्होंने संगठन की बैठक की। उनके साथ एनएसयूआइ यूपी सेंट्रल के अध्यक्ष अनस रहमान, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सचिन रावत, एनएसयूआइ प्रदेश उपाध्यक्ष आर्यन मिश्रा उपस्थित थे।

यूपी में सिपाही की पत्नी का लाइव सुसाइड, वीडियो में प्रताड़ना की बात कही

एक साल पहले हुई थी लव मैरिज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीकेटी के बाना गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यूपी पुलिस के सिपाही अनुराग की पत्नी 35 वर्षीय सौम्या उर्फ तनु ने इंस्टाग्राम पर लाइव आकर फंदे से लटककर जान दे दी। इस वीडियो में सौम्या ने अपने सिपाही पति अनुराग, जेठ, बहनोई और अन्य पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिवारीजन को सूचना दी है। साथ ही सौम्या का मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि आगे की कार्रवाई परिवार की तरफ से तहरीर मिलने पर की जाएगी। पुलिस ने बताया कि सौम्या मूल रूप से मैनपुरी के पुतैना रोड की रहने वाली थी। अनुराग बीकेटी थाने में ईगल मोबाइल पर तैनात है और बाना गांव में लालता सिंह के मकान पर कमरा लेकर पत्नी के साथ किराए पर रहता था। पड़ोसियों ने बताया कि अनुराग ने रविवार सुबह ही सौम्या को पीटा था, जिससे चीख-पुकार की आवाज बाहर तक आ रही थी। उसके कुछ देर बाद ही सौम्या ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कमरे से शव को कब्जे में लेकर मोबाइल जब्त किया, जिसमें सामने आया कि सौम्या 12 बजे के करीब इंस्टाग्राम पर लाइव आई थी और दो वीडियो डाले थे। पहली वीडियो में उसने पिटाई के बाद शरीर पर चोट के निशान दिखाए थे, जबकि दूसरे वीडियो में वह फंदे के साथ खड़ी थी।

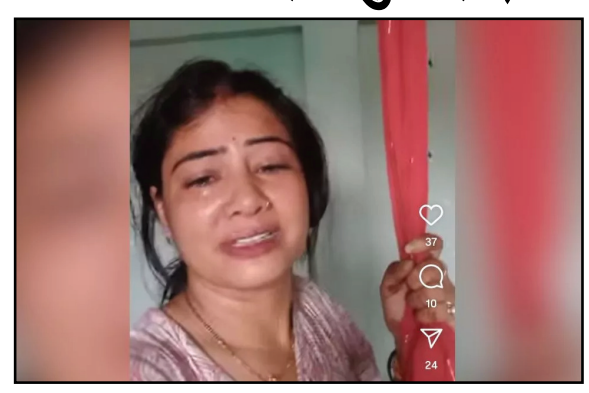

वीडियो में सौम्या ने बताया कि अनुराग के साथ-साथ उसके बहनोई संजय, जो रायबरेली में पुलिस में हैं, जेठ रंजीत जो वकील हैं, सभी पति की दूसरी शादी करवाना चाहते हैं। उनके कहने पर अनुराग दहेज की मांग करते हुए उसे पीटता और प्रताड़ित करता है, ताकि उसे मारकर दूसरी शादी कर सके।

सौम्या ने बताया कि उसने थाने में कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में उसने वीडियो बनाकर यह कदम उठाया है और अपनी मांग रखी है कि मुख्यमंत्री उसे न्याय दिलाएं और सभी आरोपितों को सजा मिल सके।

थाने से लेकर उच्चाधिकारियों तक की शिकायत, नहीं हुई सुनवाई

सौम्या ने अपने वीडियो में बताया कि अनुराग रोज उसको प्रताड़ित करता है। इसकी शिकायत उसने थाने से लेकर उच्चाधिकारियों तक की, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। यह बात मकान मालिक लालता सिंह ने बताया कि पिटाई के वक्त अनुराग किसी की नहीं सुनता था। इसी कारण कई बार कमरा खाली करने को कहा, लेकिन पुलिस का दबाव बनाते हुए नहीं किया।

शिकायत के बाद की थी शादी

पुलिस जांच में सामने आया कि अनुराग मैनपुरी के किसनी का रहने वाला है। दोनों एक दूसरे को कोविड के वक्त से जानते हैं। दोनों एक दूसरे के साथ लिवइन में रहते थे, जिसका सुबूत इंस्टाग्राम पर पड़े वीडियो भी हैं। वर्ष 2023 में सौम्या ने शादी करने की बात कही तो मना कर दिया। इस पर पीड़िता ने स्थानीय थाने पर शिकायत की थी, जिसके बाद समझौता हुआ। फिर दोनों ने शीतला मंदिर में शादी कर ली थी।

पूरे शहर में चर्चा में थी शादी

फिल्मी कहानी की तरह अनुराग और सौम्या ने शादी की थी। पूरे शहर में चर्चा थी कि फिल्म राजा की आएगी बारात की तरह शादी हुई है। तब सौम्या ने कहा था कि कौन जाने, अब यह उन पर निर्भर है कि वह कब तक निभाएंगे। अब तो उसकी शादी हो चुकी है देखते हैं आगे क्या होता है।

नामदेव समाज ने मयंक नामदेव को नगर अध्यक्ष तो दीपू नामदेव को बनाया महामंत्री

अमन लेखनी समाचार

महोबा। संत शिरोमणि नामदेव समाज सेवा समिति के तत्वाधान में कबरई में बैठक आयोजित की गई। इसमें नामदेव समाज की कबरई नगर इकाई का गठन कर मयंक नामदेव को नगर अध्यक्ष एवं दीपू नामदेव को नगर महामंत्री बनाया गया है। रविवार को कबरई के शिशु शिक्षा निकेतन जूनियर हाईस्कूल में आयोजित एक बैठक में नामदेव समाज के जिलाध्यक्ष मनीष नामदेव एवं जिले के संरक्षक सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नामदेव समाज के संरक्षकगण मौजूद रहे। आप को बतादे कि नगर अध्यक्ष मयंक नामदेव, महामंत्री दीपू नामदेव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश नामदेव, बब्लू नामदेव, उपाध्यक्ष प्रदीप नामदेव अमित नामदेव, संगठन मंत्री राजू नामदेव, कोषाध्यक्ष भानू नामदेव, व्यवस्था मंत्री अमित नामदेव, मंत्री राजू नामदेव, नगर मीडिया प्रभारी रोहित नामदेव के पदों की घोषणा की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित संरक्षकों ने कहा कि समाज की सेवा कांटों से भरा ताज होता है। समाज द्वारा विश्वास जता कर दिए गए दायित्व को ईमानदारी व निष्पक्ष भाव से निभाना एवं समाज की सेवा करते रहना सभी पदाधिकारियों का कर्तव्य होता है। नवनियुक्त कबरई नगर के पदाधिकारियों का तिलक लगाकर व पुष्पहार पहना कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

32 बच्चों के बीच खेले गए रोमांचकारी मुकाबले में सृष्टि सोनी बनी विजेता

अमन लेखनी समाचार/अखिलेश द्विवेदी

महोबा। जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में कुलपहाड़ के आरबीपीएस स्कूल में चल रहे चैस इन स्कूल्स अभियान के तहत इंटर हाउस कॉम्पटीशन में आज अंडर 9 वर्ग के कुल 32 बच्चों के बीच रोमांचकारी मुकाबले खेले गए। जिसमें सृष्टि सोनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनी। सीखने की प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण कुछ खिलाड़ियों जहां एक ओर गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा वहीं दूसरी ओर एकाग्र होकर खेलने वाले 4 खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे।प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में उमंग राजपूत ने ध्रुव साहू को, परी मिश्रा ने अनाया सिंह को, अर्निम सोनी ने तारिक को, रुद्र चौरसिया ने जैसिका शक्ति को, दक्ष ने वैष्णवी को, कान्हा ने अमन राजपूत को तथा सार्थक सक्सेना ने वैष्णवी को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इसके बाद हुए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में परी मिश्रा ने कान्हा को, उमंग राजपूत ने दक्ष को, सृष्टि सोनी ने रुद्र को तथा अर्निम सोनी ने सार्थक सक्सेना को हराया। सेमीफाइनल मुकाबलों में उमंग राजपूत ने अर्निम सोनी को तथा सृष्टि सोनी ने परी मिश्रा को हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी अपनी बिसात बिछाई। लेकिन सृष्टि सोनी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबल जीत लिया। आज के सभी मुकाबले सहसचिव सुधांशु खरे की देखरेख में खेले गए।

छात्रा ने सहपाठी पर लगाया रेप का आरोप:बोली- स्कूल में लंच के समय बाथरूम में ले जाकर किया दुष्कर्म

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। मुस्करा थाना क्षेत्र में कक्षा 4 की एक छात्रा ने अपने हमउम्र लड़के पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। स्कूल से घर पहुंचने पर उसने अपनी मां को बताया कि एक हमउम्र लड़के ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। यह सुनकर परिजन तुरंत मुस्करा थाने पहुंचे। पीड़िता के पिता का आरोप है कि थाने में उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। वह स्कूल प्रबंधन के पास भी गए और सीसीटीवी फुटेज देखने की मांग की, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कैमरे खराब होने का हवाला देकर फुटेज दिखाने से इनकार कर दिया। पीड़िता के अनुसार, लंच के समय एक लड़का उसे धमकाकर बाथरूम ले गया था, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया। अभी तक आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है। थाने से न्याय न मिलने पर परिजन पीड़िता को लेकर पुलिस अधीक्षक (एसपी) के कार्यालय पहुंचे। जहां पीड़ित परिजनों की तहरीर ले ली गई है। अब परिवार को उम्मीद है कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा और उन्हें न्याय मिलेगा। फिलहाल इस मामले में पुलिस की तरफ से अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

सरकारी विद्यालय बंद करने पर फूटा गुस्सा!

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को प्रदेश में ढपोरशंखों को जगाओ, शंख बजाओ, स्कूल बचाओ अभियान के तहत विरोध प्रदर्शन किया। लखनऊ समेत प्रदेश के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन कर सरकार के स्कूल पेयरिंग नीति के खिलाफ आवाज उठाई। राजधानी लखनऊ के बीकेटी क्षेत्र के विश्रामपुर प्राथमिक विद्यालय व निशातगंज क्षेत्र में कार्यकताओं ने अभिभावकों के साथ शंख बजाकर सरकार के स्कूल बंद करने के फैसले का विरोध किया। इस दौरान कुछ नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। उधर, प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने हापुड़ के बंद किए गए प्राथमिक विद्यालय में बच्चों और अभिभावकों के साथ शंख बजाया।

संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं के अंदर पड़ा मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रघुनाथ खेड़ा गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के बाहर स्थित एक पुराने कुएं में एक युवक का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान 25 वर्षीय पुतानी पुत्र शिवनाथ निवासी रघुनाथ खेड़ा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, पुतानी गुरुवार रात से घर से लापता था। देर रात तक उसकी खोजबीन की गई, लेकिन कोई पता नहीं चला। रविवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने कुएं में उतराता हुआ शव देखा और इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। पिता शिवनाथ और अन्य परिजनों ने बताया कि पुतानी मजदूरी करता था। उन्होंने किसी प्रकार की रंजिश से इंकार किया है। हालांकि, परिजन युवक की मौत को संदिग्ध मान रहे हैं और आशंका जता रहे हैं कि किसी ने उसे धक्का देकर कुएं में फेंक दिया हो।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से पूछताछ की। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। फिलहाल, मामले की गहनता से जांच की जा रही है। गांव में हुई इस घटना के बाद लोग तरह-तरह की चचाएं कर रहे हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि मृतक देर रात तक गांव के बाहर किसी से मोबाइल पर बात कर रहा था, उसके बाद वह अचानक गायब हो गया। वहीं, अन्य ग्रामीणों ने कुएं के पास किसी प्रकार के संघर्ष के निशान न होने की बात कही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर के बाहर बंधी लगभग आधा दर्जन बकरी चोरों ने किया पार

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। स्थानीय थाना क्षेत्र के गांव भटनिया में घर के बाहर बंधी आधा दर्जन बकरे बकरियां रात में गायब हो गईं सुबह गृह स्वामी के उठने पर उनके गायब होने की जानकारी होते ही उसके हांथ पांव फूल गए काफी खोजबीन करने के बाद भी पता नहीं चला है। गांव भटनिया निवासी नारेंद्र कुमार के घर के बाहर पास पड़े छप्पर के नीचे शनिवार रात को तीन बकरे और तीन बकरियां बंधी थी।रविवार की सुबह जब नारेंद्र ने जाकर देखा तो उसके बकरे और बकरिया गायब देखी।आसपास जानकारी की लेकिन कोई पता नहीं चला वही ग्रामीणों ने बताया कि बकरियों को चोरों ने पार कर दिया है।

शांतिपूर्ण तरीके से 26 परीक्षा केंद्रों पर दी गई राजपत्रित अधिकारी की परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। राजपत्रित अधिकारी (फड) एवं सहायक राजपत्रित अधिकारी (अफड) की परीक्षा जनपद में शांति पूर्ण तरीके से आयोजित हुई जिला प्रशासन ने परीक्षा की पारदर्शिता और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां पहले से ही कर ली थी परीक्षा सुबह 09:30 बजे से 12:30 बजे तक संपन्न हुई परीक्षा केंद्रों का जिला अधिकारी गौरांग राठी पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने निरीक्षण किया जिले में कुल 26 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे प्रत्येक केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट, एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था तीन दिन पूर्व पुलिस लाइन परिसर में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। इसकी अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने की। बैठक में अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार गोंड, सभी उप जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट मौजूद रहे।एसपी दीपक भूकर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई थी विशेषकर संवेदनशील केंद्रों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से कराई गई परीक्षा केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम के लिए लगातार पेट्रोलिंग भी की जाती रही परीक्षा शुरू होने से पहले और समाप्त होने के बाद केंद्रों पर सघन तलाशी अभियान चलाया गया अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार गोंड ने सभी जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए थे कि वे परीक्षा के दौरान पूरी सतर्कता बरतें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना देने को कहा गया था यदि किसी केंद्र पर अभ्यर्थियों या बाहरी व्यक्तियों द्वारा अनुचित गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन ने परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 163 लागू कर दी थी ताकि भीड़-भाड़ और बाहरी व्यक्तियों की उपस्थिति परीक्षा को प्रभावित न कर सके। वहीं, यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष प्लान तैयार किया गया था ताकि परीक्षार्थियों को किसी तरह की असुविधा न हो। पुलिस बल को निर्देशित किया गया था कि परीक्षा केंद्रों की ओर जाने वाले मार्गों पर ट्रैफिक को सुगम बनाए रखा जाए जिसका पुलिस कर्मियों ने पालन नहीं किया

जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ के तत्वाधान में रविवार को सिकंदरपुर सरोसी विकास खंड स्थित आदर्श सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। भाषा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों से छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजक विष्णु प्रकाश बाजपेयी और संयोजिका डॉ. अनीता दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर आचार्य छोटे लाल शास्त्री ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत कर प्रतिभागियों एवं अतिथियों का अभिनंदन किया।ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ वर्ष 2023 से संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और शास्त्रीय अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए त्रिस्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के विद्यार्थी भाग लेते हैं। यह प्रतियोगिता जनपद, मंडल और राज्य स्तर पर आयोजित होती है। जिसमें विद्यार्थियों के ज्ञान, स्मृति, भाषा कौशल एवं शास्त्र विषय की समझ का मूल्यांकन मौखिक रूप से किया जाता है। इन स्टूडेंट्स ने जीता इनाम रविवार को आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में जीजीआईसी उन्नाव की छात्रा नेहा ने प्रथम, आराधना ने द्वितीय तथा आदर्श सरस्वती विद्या मंदिर सरोसी के आयुष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संस्कृत गीत प्रतियोगिता में आदर्श सरस्वती विद्या मंदिर की रूचि सिंह प्रथम, झंडेश्वर सामवेद संस्कृत विद्यालय बडौरा की छात्रा ने द्वितीय और जीजीआईसी उन्नाव की जागृति वर्मा तृतीय स्थान पर रहीं।मुख्य अतिथि प्रीति सिंह ने सभी विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। संयोजिका डॉ. अनीता दीक्षित ने बताया कि प्रथम स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 1000, द्वितीय को ?800 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 700 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

पुराने मुकदमे में सुलह का दबाव बना रहे पिता ने पुत्री को पीटा

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मोहल्ला कस्बा टोला निवासी अमीमा खातून पत्नी मोईन ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि बीती 25 जुलाई रात 11बजे वो घर पर अकेली थी उसका पति किसी काम से कानपुर गया था।इसी बात का फायदा उठाकर अहमद अली,अली अहमद पुत्रगण कमर अली,तुफैल, फूजैल पुत्र अहमद अली निवासी पुरबिया टोला बांगरमऊ ने पुरानी रंजिश में पूर्व में चल रहे मुकदमे को वापस लेने का दबाव बनाने लगे.जब उसने इसका विरोध किया तो.इस बात से नाराज होकर जान से मारने की धमकी देने लगे पीड़िता ने बताया कि 16 जुलाई को पति के साथ पिता और भाइयों ने मारपीट की थी.वही मामले में कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि तहरीर मिली जांच पड़ताल की जा रही है।

ओवर ब्रिज पुल के नीचे भरा पानी राहगीरों ग्रामीणों को हो रही समस्या

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। गंगा एक्सप्रेस सड़क में बने ओवर ब्रिज में बने पुल के नीचे पानी भरने से राहगीरों सहित ग्रामीणों को हो रही भारी समस्यो

तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन के दर्जनों गांवों की सीमा से होकर गंगा एक्सप्रेस वे सड़क का निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो गया है गंगा एक्सप्रेसवे के रोड के किनारे सर्विस रोड भी बनाई जा रही है ओवर ब्रिज के नीचे बने पुल के सामने बनी सड़के व गंगा एक्सप्रेस वे के किनारे बनाई जा रही सर्विस रोड की ऊंचाई अधिक होने के कारण पुल के नीचे पहली बरसात से ही लगातार पानी भर गया है पानी की निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण बिहार से बेटा उसराहा संपर्क मार्ग बिहार से मौरावा रोड सहित अनेक ओवर ब्रिजों के नीचे पानी भरा हुआ है जिससे राहगीरों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है वही ग्रामीणों को कृषि कार्य के लिए इधर से उधर आने जाने के लिए कोई अन्य व्यवस्था न होने के कारण समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं ग्रामीणों ने इसके लिए शासन व प्रशासन से लगातार गुहार लगा रहा है लेकिन प्रशासन सड़क निर्माण विभाग के ऊपर छोड़ देता है ग्रामीण को अधिक जानकारी न होने के कारण थक हार कर घर में ही बैठ जाता है सड़क निर्माण इकाई गंगा एक्सप्रेस वे सड़क के निर्माण में डंपरों द्वारा आसपास की सड़के टूट गई हैं जिससे कच्ची रोड से भी अधिक खराब हो गई हैं उन रोडो पर इतना अधिक कीचड़ व पानी भरा है कि उनसे मोटरसाइकिल तो दूर पैदल भी निकलना लोगों को मुश्किल पड़ रहा है लेकिन राजनेता से लेकर प्रशासन तक इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

पति-पत्नी के 16 विवादित जोड़ो की सकुशल की गयी विदाई

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। दीपक भूकर पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल निर्देशन में जनपद के सभी थानों में स्थित महिला हेल्प डेस्क में पति-पत्नी के विवादित जोड़ों को बुलाया गया तथा महिला हेल्पडेस्क की टीम द्वारा उनकी काउंसलिंग करते हुए उनके बीच उपजे विवाद को खत्म कराया गया तथा परिवार को टूटने से बचाया। तदोपरान्त महिला थाना से 06, थाना औरास, थाना आसीवन, थाना हसनगंज, थाना गंगाघाट से 01-01, थाना बांगरमऊ, थाना सोहरामऊ, थाना कोतवाली सदर से 02-02 जोड़े को बिना विवाद साथ रहने के वादे के साथ विदा किया गया। उपरोक्त पुनीत कार्य में शिल्पी श्रीवास्तव पत्नी डा0 आशीष श्रीवास्तव (परिवार परामर्श केन्द्र समिति प्रभारी) एवं सलाहकार डॉक्टर अवसार अली, डॉक्टर सगीर अहमद तथा पुलिस टीम में निरीक्षक संतोष कुमारी महिला हेल्प डेस्क, अवनीश सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली सदर, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना रेखा सिंह, शिखा, दुर्गेश, नीलम, प्राची चौहान, मीनू, लक्ष्मी वर्मा, सेविका, तरुण,नीतू, का विशेष योगदान रहा।

15 उर्वरक दुकानों के लाइसेंस किए गए निलंबित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। किसानों को ठगी, अनियमितता और कालाबाजारी से बचाने के लिए जिला कृषि विभाग ने सघन अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत खाद-उर्वरक की दुकानों पर कड़ी निगरानी की जा रही है। जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी के नेतृत्व में पिछले 40 दिनों से चल रही इस कार्रवाई में अब तक 15 दुकानों के लाइसेंस निलंबित किए जा चुके हैं। कई दुकानदारों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। शशांक चौधरी ने बताया, ₹हमारा लक्ष्य किसानों को सही समय पर उचित दर और गुणवत्ता वाला खाद उपलब्ध कराना है। नकली, अवैध और महंगे दर पर खाद बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।₹ अभियान के दौरान कई दुकानों पर गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं। इनमें अधूरे रजिस्टर, गायब रेट बोर्ड और बिलिंग सिस्टम शामिल हैं। सबसे गंभीर मामला बिना बिल के नकली खाद की बिक्री का है। विभाग ने इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित दुकानों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए हैं। किसानों ने इस पहल पर संतोष व्यक्त किया है। सफीपुर, बीघापुर और पुरवा क्षेत्रों के किसानों ने बताया कि पहले उन्हें तय दरों से अधिक कीमत पर खाद खरीदनी पड़ती थी। कई बार नकली उर्वरक की वजह से फसल भी खराब हो जाती थी। जिला कृषि अधिकारी ने चेतावनी दी है कि जांच लगातार जारी रहेगी। जो भी दुकानदार दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ लाइसेंस निलंबन के साथ-साथ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। खरीफ सीजन के बीच चल रही इस कार्रवाई का व्यापक असर हो रहा है। किसान जागरूक हो रहे हैं, तो वहीं दुकानदारों में भी डर देखा जा रहा है। प्रशासन की कोशिश है कि बाजार में केवल वही दुकानदार टिकें, जो पारदर्शिता और ईमानदारी से कृषि उत्पाद बेचें। जागरूकता की भी अपील दूसरी ओर, कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे बिना बिल के कोई भी खाद न खरीदें और किसी भी तरह की गड़बड़ी होने पर तुरंत विभाग को सूचित करें। साथ ही दुकानदारों से भी कहा गया है कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज अपडेट रखें और दुकान पर रेट लिस्ट व स्टॉक रजिस्टर को अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें।

दो सैकड़ा शिव भक्तों की निकली कांवड़ यात्रा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। रविवार को मियागंज के उन्नाव-संडीला मार्ग पर कांवड़ यात्रा निकली, जिसमें लगभग 200 शिव भक्त शामिल हुए। शिव भक्त दोपहर 3 बजे बिठूर गंगा जल लेने के लिए निकले। कांवड़ियों के साथ 9 वाहन भी थे, जिससे लगभग 500 मीटर लंबी कतार बन गई। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मियागंज चौराहे पर पुलिस ने उन्नाव, मियागंज चौराहा, संडीला और बांगरमऊ की ओर जाने वाले सभी वाहनों को रोक दिया। पुलिस ने पहले सभी कांवड़ियों को सुरक्षित चौराहा पार कराया। कांवड़िए डीजे पर शिव और पार्वती की झांकी लेकर भजनों के गीतों पर नृत्य करते और भोले के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। इस दृश्य को देखकर राहगीर अपने मोबाइल में वीडियो बनाने लगे। मियागंज चौराहा बांगरमऊ लखनऊ मार्ग शिव महिमा से गूंज उठा। पुलिस की सतर्कता के कारण यात्रा सकुशल निकल गई।

बीते 36 घंटों में गंगा नदी के जलस्तर में हुई बढ़ोत्तरी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बीते कुछ दिनों से गंगा नदी के जलस्तर में हो रही गिरावट के बाद अब एक बार फिर इसमें वृद्धि दर्ज की गई है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बीते 36 घंटों में गंगा का जलस्तर कुल 46 सेंटीमीटर बढ़ गया है। शनिवार शाम तक जलस्तर 110.250 मीटर दर्ज किया गया था। रविवार सुबह यह बढ़कर 110.350 मीटर पर पहुँच गया। जलस्तर में आई इस तेजी ने स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं के बीच राहत की भावना भर दी है। खासतौर पर सावन के पावन माह में जब श्रद्धालु बड़ी संख्या में स्नान के लिए घाटों पर पहुंचते हैं। पिछले कुछ सप्ताह से गंगा में जलस्तर कम होने के कारण आनंद घाट, पर्यावरण घाट और अन्य स्नान स्थलों पर पानी की कमी महसूस की जा रही थी। पश्चिमी बांधों से पानी की आपूर्ति घटने के चलते नदी का बहाव कम हो गया था। इससे घाटों पर रेत की मोटी परतें जमा हो गई थीं। इस वजह से श्रद्धालुओं को नदी तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तक रेत पार करनी पड़ रही थी। यह बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए काफी कठिन साबित हो रही थी।शनिवार को जलस्तर में वृद्धि का क्रम सुबह से ही शुरू हो गया था। सुबह 6 बजे जलस्तर 109.900 मीटर दर्ज किया गया। दोपहर 1 बजे तक यह 109.960 मीटर और शाम 6 बजे तक 110.250 मीटर तक पहुँच गया। रविवार सुबह तक इसमें और तेजी देखी गई। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तराखंड और नेपाल क्षेत्र में हुई भारी वर्षा और कुछ बांधों से छोड़े गए अतिरिक्त पानी की वजह से यह जलस्तर बढ़ा है। गंगा जलस्तर में आई इस बढ़ोत्तरी से स्नानार्थियों को अब घाटों पर आसानी से स्नान करने की सुविधा मिलेगी

छात्रा की छूट रही परीक्षा को देख पुलिस ने अपनी गाड़ी से कॉलेज पहुंचाया

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली प्रभारी सुब्रत नारायण तिवारी ने मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए एक छात्रा की परीक्षा छूटने से बचाई। लखनऊ के जानकीपुरम निवासी मुरारी सिंह अपनी पुत्री ऋषिका सिंह को समीक्षा अधिकारी की परीक्षा दिलाने रविवार सुबह सफीपुर पहुंचे थे।ऋषिका काफी समय से इस परीक्षा की तैयारी कर रही थी। उसका परीक्षा केंद्र राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, सफीपुर निर्धारित था। अनभिज्ञता के कारण दोनों बम्हना गांव स्थित श्रीमती स्वर्णलता बालिका इंटर कॉलेज पहुंच गए। वहां पता चला कि परीक्षा यहां नहीं है इसके बाद दोनों सफीपुर के लिए रवाना हुए। मियागंज क्रॉसिंग के पास पहुंचने पर रेल फाटक बंद मिला। इधर परीक्षा का समय भी पूरा हो चुका था। बेटी की मेहनत पर पानी फिरता देख पिता-पुत्री दोनों मायूस हो गए। वे वहीं खड़े होकर रोने लगे।उसी समय स्कूल निरीक्षण से लौट रहे कोतवाली प्रभारी सुब्रत नारायण तिवारी की नजर रोते हुए पिता-पुत्री पर पड़ी। उन्होंने गाड़ी रुकवाई और युवती से रोने का कारण पूछा। सारी बात जानने के बाद कोतवाल ने तत्काल दोनों को अपनी सरकारी गाड़ी से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया।समय रहते परीक्षा केंद्र पहुंचकर ऋषिका ने परीक्षा दी। छात्रा के पिता ने कोतवाली प्रभारी को धन्यवाद दिया।

अनियंत्रित बस ने ई रिक्शा में मारी टक्कर दो भाई घायल, एक की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के गंजमुरादाबाद कस्बे के हरदोई-उन्नाव मार्ग पर बजाज एजेंसी के सामने एक तेज रफ्तार बस ने ई-रिक्शे को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।इस हादसे में ई-रिक्शे में सवार दो भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान देवखरी गांव निवासी 65 वर्षीय चिंटू और 50 वर्षीय विजय लाल के रूप में हुई है। दोनों भाई किसी काम से बांगरमऊ गए थे और शाम करीब पांच बजे ई-रिक्शे से घर लौट रहे थे।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शे के परखच्चे उड़ गए। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बांगरमऊ पहुंचाया। चिंटू की हालत अधिक गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है।हादसे के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और फरार वाहन की तलाश जारी है।

रहस्यमय ढंग से छात्र हुआ लापता पीड़ित पिता ने पुलिस को दी तहरीर

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। मौसी के यहां रहकर पढ़ाई कर रहा छात्र रहस्यमय परिस्थितियों से लापता हो गया परिजनो ने उसकी काफी खोजबीन की पता न चलने पर स्थानीय पुलिस को छात्र के गुमशुदगी की तहरीर दी पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है थाना बेहटामुझवार क्षेत्र के गौरिया कला निवासी राजेंद्र ने बताया कि उसका 18 वर्षीय पुत्र रजत राठौर उर्फ उत्कर्ष जो कक्षा 11 का छात्र है वो अपनी मौसी निवासी जनपद हरदोई के संडीला कस्बा मोहल्ला बरौनी के यहां रहकर महादेवम कोचिंग सेंटर में पढ़ने जाता है छात्र बीती 25 जुलाई को घर के बाहर से अचानक लापता हो गया जिसे परिजनो ने काफी खोजा लेकिन उसका कही पता नहीं चला छात्र के पिता राजेंद्र ने स्थानीय पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर दी पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

किसान की जमीन पर दबंगो ने खड़े कर दिए पिलर

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र बारीथाना गांव निवासी राधेलाल ने एसडीएम व मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर बताया की लखनऊ बागर मऊ मार्ग आसीवन के पास बेस कीमती 13 बिसूवा जमीन है जिसपर पड़ोस गांव जरुल्ला नगर निवासी सरोज सैनी, अमन पाल, गोपी किशन, अभिलाष ने जबरन जमीन पर मौरंग सीमेंट से पिलर खड़े करने लगे विरोध किया तो सभी एकजुट होकर गाली गलौज कर भगा दिया, पीड़ित ने मुख्य मंत्री पोर्टल पर शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।एसडीएम प्रज्ञा पाण्डेय ने बताया कि अगर अवैध तरीके से कब्जा कर रहे होंगे तो लेखपाल भेजकर रिपोर्ट मांग कर कार्रवाई की जाएगी।

पक्की सड़क के अभाव में वार्डवासियों को झेलनी पड़ रही भारी परेशानी

सड़क न बनी तो आगामी चुनाव का बहिष्कार करेंगे वार्डवासी

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। कस्बा गरौठा के मोहल्ला सुभाष नगर में पक्की सड़क एवं नाले पर पुलिया न होने से लोगों को बरसात के मौसम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है । बरसात के कारण मुहल्ले में चारों तरफ जलभराव होने से लोगों का घर से निकलना दूभर हो गया है। आप तस्वीरों में साफ तौर पर देख सकते है कि कसवा के काली माता मन्दिर के पीछे की स्थिति कितनी दयनीय है। इस मुहल्ले में सर्व समाज के लोग रहते है जहां की आबादी लगभग 500 है। यहां से एक बोड़ा नाला निकला है जो लखेरी नदी में मिलता है।वर्षों बीत जाने के बाद इस नाले पर अभी तक किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा पुलिया का निर्माण नहीं कराया गया और न ही कोई पक्की सड़क डाली गई। जिसका नतीजा यह है कि बूढ़े, बच्चे, महिलाओं सहित सभी लोग घर में बैठकर अपने आपको कोसते नजर आते है। वर्तमान समय में मुहल्ले में आने जाने का रास्ता पूरी तरह से जलमग्न हो गया है। वार्डवासियों ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति बीमार हो जाता है तो उसे इलाज हेतु अस्पताल ले जाना मुश्किल हो जाता है, बच्चे पढ़ने के लिए स्कूल नहीं जा पाते है। वार्डवासियों का कहना है कि यदि नाले पर पुलिया व पक्की सड़क नहीं बनवाई जाती है हम लोग आगामी चुनाव का बहिष्कार करेंगे। यह सोचने वाली बात है कि आखिर कोई जनप्रतिनिधि वार्डवासियों की इस समस्या का समाधान करने की सुध क्यों नहीं लेता है ?

सुभाष नगर वार्ड के लोगों की सड़क की समस्या कोई नई समस्या नहीं है बेबस और लाचार वार्डवासी वर्षों से इस गंभीर समस्या से जूझ रहे है, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है।वार्डवासियों द्वारा कई बार तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर उच्चाधिकारियों से एवं जन प्रतिनिधियों से इस समस्या का समाधान करने की मांग की गई लेकिन अभी तक किसी ने इस ओर ध्यान देना उचित नही समझा। मोहल्लावासी बरसात के चार महीने कैसे गुजारते है ये कोई उनसे पूछने वाला नहीं है।

सम्पादकीय

भारत-ब्रिटेन में एफटीए दोनों के लिए फायदेमंद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मनमाने टैरिफ वार के चलते विश्व के दूसरे प्रमुख देशों ने तेजी से विकल्प की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। जो यूरोप अपनी अधिकांश चीजों के लिए अमेरिका पर निर्भर होता था, वो अब अमेरिका मुक्त वैश्विक विकल्प की ओर आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को देखा जाना चाहिए। वर्ष 2022 से भारत व ब्रिटेन के बीच एफटीए पर बातचीत चल रही थी, लेकिन ट्रंप के टैरिफ वार के बाद एफटीए को अंतिम रूप देने में तेजी आई। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूरोप पर 30 फीसदी टैरिफ लगाया है, इससे यूरोप असहज है। ब्रिटेन बेशक ब्रेक्जिट कर चुका है, लेकिन यूरोपीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका में है। भारत व ब्रिटेन के बीच सामरिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंध पहले से मजबूत हैं, लेकिन इस एफटीए के बाद दोनों देशों के बीच ट्रेड संबंध और मजबूत होंगे। ब्रिटेन दैनिक जरूरतों के बहुत सामानों के लिए आयात पर निर्भर है। चीन ने अपने सस्ते सामानों से ब्रिटेन समेत पूरे यूरोप को पाट रखा है। इस एफटीए के बाद भारत को ब्रिटेन में अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी, अमेरिका के बाद भारत को ब्रिटेन का समृद्ध बाजार भी मिलेगा। यूरोपीय संघ छोड़ने (ब्रेक्जिट) और कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद ब्रिटेन के चीनी आयात पर निर्भरता से दूर होने के मद्देनजर यह एफटीए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे दोनों देश के निर्यातकों को लाभ होगा और आम नागरिक को सस्ते उत्पाद मिल सकेंगे। इस समझौते से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क समाप्त होने के साथ ब्रिटिश व्हिस्की, कारों एवं कई अन्य वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क में भी कटौती होगी। ब्रिटेन से भारत में आयात होने वाले करीब 90 फीसदी उत्पाद या तो शुल्क मुक्त होंगे या उस पर कम शुल्क लगेंगे। यह एफटीए ऐतिहासिक होने के साथ-साथ दोनों देशों के लिए 'विन विन' है। हालांकि भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन के बाजार में चीनी निर्यातकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होगी। अमेरिका ने टैरिफ वार छेड़कर वैश्विक व्यापार में ऐसा संशय का माहौल पैदा कर दिया है, जिसमें दूसरे मुल्क आपसी ट्रेड बढ़ाने पर जोर देने लगे हैं। सितंबर में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच भी एफटीए पूर्ण होगा। भारत व ब्रिटेन के बीच हुए एफटीए से इंडो-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में भी मदद मिलेगी। अब भारत अमेरिका के साथ जारी ट्रेड वार्ता में भी दबाव में नहीं होगा। खास बात है कि चीन 25 जुलाई को ईयू के साथ एफटीए को पूर्ण करेगा। इससे भी भारत को यह देखने का अवसर मिलेगा कि ईयू और चीन के साथ शुल्क को लेकर किस तरह की डील हुई है। भारत और अमेरिका के बीच भी ट्रेड वार्ता अगस्त तक पूर्ण हो सकती है, हालांकि टैरिफ दर को लेकर अभी दोनों देशों के बीच कई स्तर पर मतभेद हैं। अभी ब्रिटेन भारत से 11 अरब पाउंड का आयात करता है। इस एफटीए से दोनों मुल्कों के बीच आपसी व्यापार में करीब 34 अरब डॉलर का इजाफा होने की उम्मीद है, अभी यह 56 अरब डॉलर है। इस एफटीए में भारत-यूके के बीच व्यापार को 2030 तक 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस समझौते से भारत में आगरा-कानपुर के चमड़ा उद्योग, सूरत-लुधियाना-वाराणसी के टेक्सटाइल उद्योग और सूरत-मुंबई के रत्न-आभूषण उद्योग को सस्ता बाजार मिलेगा। भारत और ब्रिटेन के रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में भी साझेदारी बढ़ेगी। यह एफटीए विश्व की दो बड़ी आर्थिक शक्तियों के बीच समझौता है।

मोटापे के खिलाफ अभियान आज की जरूरत

विचार

– डॉ. संजय शुक्ला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसी साल फरवरी में अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम ' मन की बात' में देशवासियों से मोटापे को नियंत्रित करने के लिए भोजन में कम तेल उपयोग करने और तेल की खपत में 10 फीसदी कटौती लाने का आव्हान किया था। पीएम मोदी ने मोटापे के खिलाफ इस अभियान में विभिन्न क्षेत्रों के 10 प्रमुख हस्तियों को नामित किया है जो अपने खाने के तेल में 10 फीसदी कटौती करेंगे। ये हस्तियां अन्य दस लोगों को नामित करेंगे जो इस चुनौती को स्वीकार करेंगे। मोटापे के खिलाफ हालिया अभियान सामयिक है क्योंकि स्वस्थ नागरिक से ही समृद्ध राष्ट्र संभव है और मोटापा सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन है। दरअसल मोटापा एक बीमारी ही नहीं बल्कि अनेक गैर संचारी बीमारियों का कारण भी है जिससे आज पूरी दुनिया जूझ रही है। भारत में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अजीब विरोधाभास है देश में जहां कुपोषण की दर 55 फीसदी है वहीं 24 फीसदी महिलाएं और 23 फीसदी पुरुष मोटापे से जूझ रहे हैं। पश्चिमी देशों की सबसे बड़ी समस्या मोटापा अब भारत के लिए भी सबसे बड़ी चुनौती बन रही है जिसका असर देश के आर्थिक विकास और स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ना लाजिमी है।

मेडिकल जर्नल ' द लैंसेट' के रिसर्च ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज के अनुसार भारत में 2050 तक मोटे और अधिक वजन वाले वयस्कों की संख्या 45 करोड़ हो सकती है जिससे भारत दुनिया का दूसरा मोटे लोगों वाला देश बन जाएगा। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया के शीर्ष तीन मोटापाग्रस्त देशों में शामिल है जहां की 70 फीसदी शहरी आबादी अधिक वजन वाली श्रेणी में आती है। दुनिया में टॉप 10 मोटापाग्रस्त देशों की सूची में अमेरिका और चीन के बाद भारत मोटापे के मामले में अभी तीसरे पायदान पर है। कुछ अर्सा पहले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस- 5) ने अपने सर्वे में संकेत दिया है कि मौजूदा समय में देश में हर चार में से एक व्यक्ति को मोटापे की समस्या है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह कि जिनके कंधों पर देश का भविष्य निर्भर है यानी बच्चे और युवा बड़ी तेजी से मोटापे का शिकार हो रहे हैं। एक अन्य शोध के मुताबिक हमारे देश में 2 करोड़ 70 लाख से ज्यादा बच्चों का वजन मोटापे के श्रेणी में आता है यानी साल 2030 में दुनिया के 10 में से एक बच्चा भारतीय होगा।

चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मोटापे का मानक व्यक्ति का बॉडी मास इंडेक्स यानि बीएमआई यानि शरीर में वसा की मात्रा का आंकलन है। बीएमआई की गणना व्यक्ति के वजन (किलोग्राम) को उसके ऊंचाई या लंबाई (मीटर) के वर्ग से विभाजित कर की जाती है। किसी व्यक्ति के 25 या उससे अधिक बीएमआई को अधिक वजन और 30 अथवा अधिक को मोटापे की श्रेणी में माना जाता है।जैसे के पहले ही बताया गया है कि मोटापा अनेक बीमारियों का जन्मदाता है। गैर संचारी रोग जैसे मधुमेह, ह्रदय रोग, उच्च रक्तचाप, फेफड़ों का रोग, फैटी लीवर, जोड़ों का रोग, कैंसर और अवसाद, चिंता, तनाव, आत्मविश्वास में कमी, यौनेच्छा में अरूचि, सहित अनेक मानसिक रोगों की मुख्य वजह मोटापा ही है। इसी प्रकार

महिलाओं में मोटापे की वजह से पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज, अनियमित मासिक धर्म, बांझपन यानि निः संतति, यौनेच्छा में कमी, हार्मोनल असंतुलन, ऑस्टियो आर्थराइटिस (हड्डियों के जोड़ों का रोग) अवसाद, चिंता सहित अनेक जीवनशैली गत रोग होते हैं। अधिक वजन वाले बच्चों में आमतौर पर टाइप 2 डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, ह्रदय रोग, स्लीप एप्निया (नींद में सांस लेने में रूकावट) , कैंसर, लिवर से जुड़े शारीरिक रोग सहित अधिक मोटे बच्चों में हीनभावना, अवसाद, गुस्सा जैसे मानसिक रोग भी देखे जा रहे हैं जो उनके शैक्षणिक और सामाजिक विकास में बाधक बन रहे हैं। इसी प्रकार युवा जिनकी देश में आबादी 65 है उनमें मोटापे की बढ़ती समस्या चिंताजनक बनी हुई है। युवाओं में आमतौर पर मोटापे की वजह से मधुमेह, हृदयरोग, उच्च रक्तचाप, लिवर और फेफड़े से संबंधित रोग, कैंसर, जोड़ों का रोग, नपुंसकता, हार्मोनल असंतुलन, त्वचा से संबंधित रोग, निरूत्साह, आत्मविश्वास में कमी, स्लीप एप्निया, अवसाद और एकाकीपन जैसे शारीरिक और मानसिक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।

एक अनुमान के मुताबिक इस साल 2025 में देश में 7 करोड़ से अधिक मधुमेह के मरीज होने की संभावना है। इसी प्रकार बच्चों से लेकर बुजुर्गों में मोटापे की वजह से हाई कोलेस्ट्रॉल, हदयरोग और उच्च रक्तचाप के रोगी आश्चर्यजनक रूप से बढ़ रहे हैं। यह अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आने वाले वक्त में कैंसर देश के स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी दूसरी ओर फैटी लीवर और फेफड़े व किडनी से जुड़ी बीमारियां जनस्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। शारीरिक वजन का सीधा असर घुटनों पर पड़ता है जिसके चलते आज घुटना प्रत्यारोपण " नी- रिप्लेसमेंट" के मामले लगातार बढ़ रहे हैं जो काफी खर्चीला है। निश्चित तौर पर इन बीमारियों के लिए सीधे तौर पर हमारी खराब जीवनशैली और खान-पान ही जिम्मेदार है जिसका परिणाम मोटापा है। अमूमन इन रोगों से पीड़ित व्यक्ति को सर्जरी और आजीवन दवा और जांच की जरूरत होती है जिसका खर्च उसे अपने घरेलू बजट से ही उठाना पड़ता है। हालांकि भारत सरकार ने सेहत के क्षेत्र में अनेक सुधारात्मक कदम भी उठाया है जिसमें आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र सहित अनेक योजनाएं लागू किया है लेकिन इन योजनाओं को प्रभावी बनाने की जरूरत है। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नागरिकों को पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध है लेकिन इस योजना में जारी भ्रष्टाचार और विसंगतियों के चलते सरकार के कोशिशों पर पलीता लग रहा है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के दवाईयों की गुणवत्ता पर भी अनेक बार सवालिया निशान लगते रहा है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या और कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश में सरकार अपने कुल जीडीपी का मात्र 2 फीसदी खर्च कर रहा है जबकि जरूरत 2.5 फीसदी खर्च करने की है। वर्तमान परिदृश्य में जब देश 'विकसित भारत - 2047' की ओर बढ़ रहा है तब सरकार के साथ समाज की भी जवाबदेही है कि वह मोटापे से जुड़े स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक हों ताकि मानव संसाधन का भरपूर उपयोग इस लक्ष्य के पूर्ति में किया जा सके।

दरअसल मोटापे की प्रमुख वजह हमारे खान-पान, जीवनशैली और दिनचर्या से जुड़ा है। वसा और शक्कर युक्त प्रोसेस्ड फूड, शराब सेवन, शारीरिक गतिविधियों में कमी, शहरीकरण एवं प्रदूषण, मानसिक तनाव, अनुवांशिक और स्टेरॉइड सहित कुछ दवाओं की वजह से मोटापा बढ़ता है। इधर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद 'आईसीएमआर' ने अपने एक शोध में देश में विवाहित जोड़ी 'कपल ओबेसिटी' को चिंताजनक माना है। शोध के मुताबिक 27.4 फीसदी विवाहित कपल्स मोटापे या अधिक वजन का शिकार हैं। स्कूलों में योग और खेलकूद के लिए अनिवार्य तौर पर कालखंड निर्धारित करना चाहिए ताकि बच्चों में मोटापे को नियंत्रित किया जा सके। सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान दौर में जब बच्चे से लेकर बुजुर्ग इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के गिरफ्त में हैं तब उन्हें अपने ' स्क्रीन टाइम ' को कम करना होगा क्योंकि यह शारीरिक निष्क्रियता के साथ अनिद्रा और तनाव पैदा करता है जो मोटापे की वजह है।

अलबत्ता मोटापा जहां राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में बाधक है वहीं यह परिवार के लिए भी त्रासदी दायक है। गैर संचारी रोगियों के उपचार और सेवा- सुश्रुषा में होने वाला खर्च और मानव संसाधन का असर उस परिवार के शिक्षा, भोजन, आवास जैसी बुनियादी जरूरतों पर पड़ता है। बहरहाल मोटापे से बचाव और वजन नियंत्रण के लिए भारतीय परिवारों को अपने खान-पान में अनुशासन लाने की जरूरत है तथा तेल, घी, शक्कर व नमक के उपयोग को तुरंत सीमित करने की दरकार है। बच्चों, युवाओं और महिलाओं को वजन नियंत्रण के लिए नियमित व्यायाम और योगाभ्यास के साथ संतुलित व पौष्टिक आहार को अपने दिनचर्या में शामिल करना होगा। बच्चों में बढ़ते वजन तथा मधुमेह के दृष्टिगत अभिभावकों को बच्चे के खान-पान और शारीरिक सक्रियता के संबंध में विशेष सतर्क होने की जरूरत है ताकि देश का भविष्य सेहतमंद रहे। भारत सरकार द्वारा मोटापे के खिलाफ अभियान पर काफी संजीदगी दिखाई जा रही है। अभियान के तहत जहां जंक फूड और नशाखोरी के खिलाफ जन-जागरूकता को प्रोत्साहित किया जा रहा है वहीं मिलेट्स यानि श्री अन्ना को भोजन में शामिल करने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। मोटापा और गैर संचारी रोगों के बचाव और नियंत्रण के लिए आयुर्वेद और योग को अपने दिनचर्या में शामिल करने तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण (स्क्रीनिंग) के लिए भी सरकारी कोशिशें जारी है। अलबत्ता इस अभियान में जन भागीदारी भी

मानसून सत्र

डॉ. आशीष वशिष्ठ

संसद में हंगामा, समय और संसाधनों की बर्बादी

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत हो चुकी है और जैसा कि उम्मीद थी, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही। विपक्ष पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण, मणिपुर, चीन जैसे विषयों पर नारेबाजी कर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- पहलगाम हमले के आतंकी अब तक पकड़े नहीं गए। मारे भी नहीं गए। ट्रम्प 24 बार कह चुके हैं कि हमने युद्ध रुकवाया। सरकार को इन सभी का जवाब देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- हम चर्चा करेंगे और हर तरीके से करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एक ओर ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक और शानदार सफलता की दुंदभि देशवासियों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी जोर-शोर से बज रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेता अपने एक एजेंडा और झूठे नैरेटिव के साथ भारत को बदनाम करने के मिशन पर चल रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राहुल गांधी बार-बार सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि हमारे कितने फाइटर जेट को नुकसान हुआ। दरअसल, वे पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। उन्हें पूछना तो यह चाहिए कि हमारी वायुसेना ने पाकिस्तान को किस तरह तहस-नहस कर दिया? वास्तव में, देश के विपक्षी दल और विश्व की ताकतें बखूबी जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बलों ने किस कारनामे को अंजाम दिया है। भारत की बढ़ती सैन्य शक्ति और मोदी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति से दुनिया हतप्रभ है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर का श्रेय कहीं राजनीतिक तौर पर मोदी सरकार को न मिल जाए, इसलिए विपक्ष लगातार रणनीति के तहत अनावश्यक सवाल पूछ कर ऑपरेशन सिंदूर पर सेना और सरकार को संदेह के घेरे में खड़ा कर रहा है। विपक्ष के इस रवैये से सेना का मनोबल तो गिरता ही है, वहीं देश की उपलब्धियों और गर्व के क्षणों पर भी ग्रहण लगता है। ये कोई पहली बार नहीं है जब विपक्ष खासकर कांग्रेस किसी विदेशी नेता के बयान या रिपोर्ट की आड़ में संसद का समय बर्बाद कर रहा है। धर्म की आड़ में विपक्ष देश की उपलब्धियों और मान-सम्मान पर बेजा टीका-टिप्पणियां करने से बाज नहीं आता। राजनीतिक विचारधारा की लड़ाई अपनी जगह है। पक्ष-विपक्ष में बहस, तर्क वितर्क और टीका टिप्पणी तो लोकतंत्र की प्राणवायु है। लेकिन सरकार या किसी राजनीतिक दल पर हमला करते देश के मान-सम्मान को नीचा गिरा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। देश के संविधान, सुरक्षा, संप्रभुता और सम्मान से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को हासिल नहीं है। भले ही व्यक्ति किसी भी पद या पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ हो। हर नागरिक के लिए राष्ट्र प्रथम का भाव सर्वोपरि, सर्वोत्तम और सिर माथे पर होना ही चाहिए। मामला चाहे देश की सुरक्षा से जुड़ा हो या फिर आर्थिक क्षेत्र की बात हो। विपक्ष सरकार, सेना और संवैधानिक संस्थाओं के बयान पर विश्वास करने की बजाय दूसरे देशों और विदेशी एजेंसियों एवं संस्थाओं के बयान, रिपोर्ट और बयानबाजी पर संसद में हंगामा करता है। असल में संसद सत्र के दौरान देश और दुनिया का ध्यान उस तरफ होता है। इस समय और अवसर का उपयोग देशहित और जनहित में करने की बजाय विपक्ष सरकार की छवि धूमिल करने, उसकी साख गिराने और अपनी राजनीति चमकाने के लिए करता है। 2023 के बजट सत्र में अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ था। अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग की एक और रिपोर्ट सामने आई थी। तब भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के समय को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि हर बार संसद सत्र से ठीक पहले विदेश से एक रिपोर्ट जारी कर दी जाती है। इसको आधार बनाकर विपक्ष संसद में हंगामा खड़ा करता है। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया था। संसद की कार्यवाही अच्छे से चले, इसके लिए पक्ष और विपक्ष को मिलकर काम करना होगा।

हम स्वयं अपने कर्म से ही दुःख भोग रहे

संकलित

दर्शन

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अधिकाधिक चिंता और अधिकाधिक प्रतियोगिता। धन प्राप्त करना बहुत कठिन कार्य है उसे बचाए रखना और भी कठिन काम है। तुम थोड़ा सा धन जोडऩे के लिए सारे संसार से झगड़ते हो (और) समस्त जीवन उसकी रक्षा के लिए लड़ते हो। (इसलिए) दरिद्र की अपेक्षा धनवान की चिंता अधिक है। संसार की गति ही ऐसी है। वस्तुएं जैसी हैं, उनकी विवेचना करने के लिए हमें दर्शन शास्त्र की ओर लौटना पड़ेगा, हम स्वयं अपने कर्म से ही दुःख भोग रहे हैं। इसमें ईश्वर का दोष नहीं है, जो हम करते हैं, उसमें हमारा अपना दोष होता है, और कुछ नहीं। ईश्वर को दोष क्यों दिया जाए? अशुभ का अस्तित्व क्यों है? (इस प्रश्न को) हल करने का एकमात्र मार्ग (यह कहना है कि) ईश्वर शुभ और अशुभ, दोनों का कारण है। सगुण ईश्वर के सिद्धांत में बड़ी कठिनाई यह है कि यदि तुम यह कहते हो कि वह केवल शुभ है, अशुभ नहीं, तो अपने तर्क के फंदे में स्वयं फंस जाते हो। तुम कैसे जानते हो कि ईश्वर? तुम कहते हो कि (वह) इस विश्व का पिता है और तुम कहते हो कि मंगलमय है और चूंकि संसार में अशुभ (भी) है, इसलिए ईश्वर को अशुभ होना चाहिए, वही कठिनाई! यहां न कोई शुभ है और न कोई अशुभ है। जो कुछ है, सब ईश्वर है । शुभ क्या है, यह तुम कैसे जानते हो? तुम (उसे) अनुभव करते हो। जो) अशुभ है, तुम उसे कैसे जानते हो? (यदि) अशुभ आता है, तो उसे अनुभव करते हो। हम शुभ और अशुभ को अपने भावों से जानते हैं।

अपने मन को सद्गुरु के चरणों में लगाना चाहिए

संकलित

प्रेरणा

मन को कितना ही शुद्ध किया जाए ये मन ही रहेगा। जैसे जहर को शुद्ध नहीं करना होगा, क्योंकि जहर जितना शुद्ध हो जाएगा ये जहर ही रहेगा और ये जहर और खतरनाक हो जाएगा चूंकि मन का स्वभाव असाध्य है, ये किसी भी तरह से पवित्र नहीं हो सकता। मन इतना कुशल है, इतना चालाक है और इसका गणित इतना जटिल है कि मनुष्य एक से हटे कि मन तत्क्षण मनुष्य के लिए दूसरा जाल बिछा देता है। एह मन कदे नहीं निर्मल होणा बाझ गुरु दे कहे अवतार। इसलिए अपने मन को सदैव सद्गुरु के चरणों में लगाना चाहिए। सद्गुरु की कृपा से ही मन का अज्ञान दूर होता है। अतः जो लोग अज्ञानता का शिकार है, वही मन के उत्पातों से डरते हैं, मन को मार देने की बातें करते हैं। सत्य के ज्ञाता मन को मारने की नहीं, बल्कि मन को मोडऩे की बात करते हैं। इनका मत है कि दिशा बदलने से दशा अपने अपने आप ही बदल जाती है। चेतना पर बंधी इस ग्रंथि 'मन' को हम अकसर सुलझाना चाहते हैं, यानी 'मन' से 'मन' को सुलझाने की कोशिश करते हैं और यहां भूल हो जाती है, क्योंकि मन स्वयं एक उलझाव है। मन से कोई सुलझाव हल नहीं हो सकता, जैसे कोई अपने ही हाथ से उसी हाथ को पकडऩे की कोशिश करता है या जैसे कोई चश्मा लगाकर उसी चश्मे को खोजता फिरे कि कहां है चश्मा? अतः महात्मा फरमाते हैं कि साक्षी को बिना जगाए ये मन रूपी ग्रंथि कभी नहीं सुलझ सकती। मानो हमें द्रष्टा को इस ग्रंथि के भीतर लाना होगा, ताकि ये ग्रंथि आसानी से टूट सके और ये कला पूर्ण सद्गुरु ही हरिनाम रूपी दात देकर प्रदान कर सकता है।

अंतर्मन

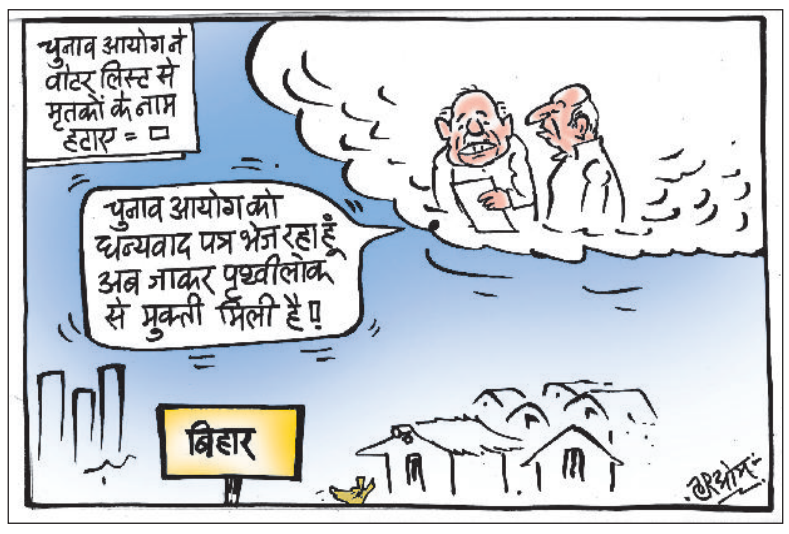

आज की पाती

क्या किसी की भूख की तस्वीर लेना जायज है?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इनसानियत, परोपकार और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है– एक ऐसा मंच जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे ज़रूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे उसे कुछ खाने को दे जाते थे। लेकिन अब किसी की भूख बुझाने की भी तस्वीरें ली जा रही हैं। *–विनय कुमार साहू*

ट्रेंड

आर्थिक साझेदारी

भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी में आज एक नया अध्याय शुरू हो रहा है! व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर व्यापार को बढ़ाने, समावेशी विकास को गति देने और उद्यमों के लिए अवसर पैदा करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय सहकारिता नीति

भारत के सहकारिता क्षेत्र के लिए आज ऐतिहासिक दिन है, जब मोदी जी के नेतृत्व में देश को नई 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति 2025' मिलेगी। यह नीति सहकारिता आंदोलन को नवाचार, आधुनिक तकनीक और युवा शक्ति से जोड़कर भविष्य के लिए तैयार करेगी।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

मदनदास देवी को नमन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रथम राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सह-सरकार्यवाह श्रद्धेय मदनदास देवी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटिशः नमन। मदनदास ने युवा शक्ति को राष्ट्र शक्ति बनाने में सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।

-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री

भाजपा जाए तो शिक्षा आए

भाजपा की नीतियों में शिक्षा शराब से पिछड़ जाती है क्योंकि शिक्षा जगाती है, चेतना बढ़ाती है जबकि शराब सुलाती है, चेतना हर जाती है। रूढ़िवादी भाजपा को जाग्रत समाज नहीं चाहिए। भाजपा जाए तो शिक्षा आए!

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

अमेरिका के साथ ये कैसी डील पीएम इस्तीफे को मजबूर

अमेरिका के साथ हुए एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते ने जापान की सियासत में भूचाल ला दिया है। इस समझौते के तुरंत बाद जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के इस्तीफे की खबरें सुर्खियों में हैं। इशिबा ने अपने करीबी सहयोगियों को यह संकेत दिया है कि वह जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। पीएम इशिबा ने कहा कि वह अमेरिका के साथ हुए टैरिफ समझौते का गहन अध्ययन करने के बाद इस्तीफा देने के संबंध में फैसला लेंगे। पिछले सप्ताह के अंत में हुए चुनाव में इशिबा की सत्तारूढ़ पार्टी को ऐतिहासिक हार मिलने के बाद उन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ गया है।

ऑफ बीट

बाबा शिब्बोथान जिनके पानी से उतर जाता है सांप का जहर

कांगड़ा जिला के भरमाड़ में स्थित सिद्धपीठ शिब्बोथान को सिद्ध संप्रदाय गद्दी, सिद्ध बाबा शिब्बोथान और सर्वव्याधि विनाशक के रूप में भी जाना जाता है। कहा जाता है कि लगभग 600 वर्ष पूर्व भरमाड़ के निकट सिद्धपुरघाड़ के आलमदेव के घर में शिब्बू नामक बालक ने जन्म लिया। बाबा शिब्बो जन्म से पूर्ण रूप से दिव्यांग थे। उन्होंने जाहरवीर गुग्गा जी की दो वर्षों तक घने जंगलों में तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर जाहरवीर ने बाबा शिब्बो को तीन वरदान दिए। प्रथम में उन्होंने कहा कि यह स्थान आज से शिब्बोथान नाम से प्रसिद्ध होगा। दूसरे में कहा कि तुम नागों के सिद्ध कहलाओगे और इस स्थान से सर्पदंशित व्यक्ति पूर्ण रूप से ठीक होकर जाएगा

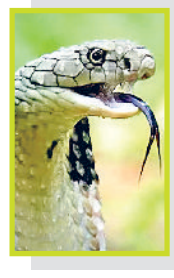

संक्षेप

जमीन बेचने के नाम पर 18 लाख की ठगी

विरोध करने पर भू-माफियाओं ने पीटा और दी जान से मारने की धमकी

सुलतानपुर, नगर कोतवाली क्षेत्र निवासी मारूफ खान के साथ जमीन दिलाने के नाम पर ठगी और मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित मारूफ का आरोप है कि मोहम्मद सलीम उर्फ सल्लू, उनकी पत्नी शाहीन बानो और उनके सहयोगियों ने 28 लाख रुपये के एक फर्जी एग्रीमेंट के जरिए न सिर्फ उनका पैसा हड़प लिया, बल्कि उन्हें धमकाकर चुप भी कराना चाहा। मारूफ ने बताया कि उन्होंने शाहीन बानो को 9.33 लाख रुपये चेक व नकद दिए थे, जबकि पहले भी शाहीन के बेटे अरमान को 2.5 लाख का चेक और उतनी ही राशि नकद दी गई थी। कुल मिलाकर करीब 18 लाख रुपये की ठगी की गई। मामले में बड़ा खुलासा यह है कि शाहीन बानो की बेटी की शादी नोटबंदी के दौरान तय हुई थी। उसी दौरान बैंक से पैसा निकालने की सीमा से बचने के लिए यह पूरा जमीन का एग्रीमेंट रचा गया। शाहीन ने गांव के प्रतिष्ठित लोगों के सामने पैसा लेने की बात स्वीकारी और कहा कि अब जमीन पर उनका कोई हक नहीं। लेकिन शादी के कुछ महीने बाद वही जमीन 13 लाख में रिजवाना नाम की महिला को बेच दी गई, वह भी भू-माफिया रियाज उर्फ रानू और अजमत की मदद से।

युवती के धर्मांतरण का आरोप

पिता ने धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की एफआईआर कराई, बहन बोली- लड़की खुद हमारे घर आई थी

सुलतानपुर, एक पिता ने अपनी बेटी के धर्मांतरण और अपहरण का मामला दर्ज कराया है। पिता का आरोप है कि उसी कॉलोनी का रहने वाला इमरान पिछले चार सालों से उसकी बेटी को बहला-फुसला रहा था। पिता के अनुसार इमरान लड़की को धमका रहा था और इस्लाम स्वीकार करने के लिए दबाव बना रहा था। 24 जुलाई की सुबह जब लड़की घर पर नहीं मिली, तो पिता उसे तलाशते हुए एक पार्क पहुंचे। वहां उन्हें अपनी बेटी इमरान के साथ मिली। पिता ने जब बेटी को घर चलने के लिए कहा, तो इमरान ने कहा कि ₹तुम्हारी बेटी अब तुम्हारी नहीं है। उसने इस्लाम स्वीकार कर लिया है और मुझसे निकाह कर लिया है।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई

ग्राम बल्लीपुर में छापेमारी, 47 लीटर कच्ची शराब और 250 किलो लहन बरामद

सुलतानपुर, अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है। जिलाधिकारी महोदय एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निदेशानुसार यह अभियान चलाया गया। राजेश कुमार तिवारी, जिला आबकारी अधिकारी और उपजिलाधिकारी सदर के निर्देशन में आबकारी विभाग ने छापेमारी की। क्षेत्राधिकारी सदर सुल्तानपुर के मार्गदर्शन में संजय कुमार मिश्रा, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 सुल्तानपुर ने यह कार्रवाई की। आबकारी टीम ने अपने स्टाफ के साथ ग्राम बल्लीपुर पूरब, बल्लीपुर पश्चिम और रानी की बगिया में दबिश दी।

नेपाल मे सिने रॉयल सिनेमा हॉल की द्वितीय वर्षगांठ धूमधाम से संपन्न

सीमावर्ती नेपाली क्षेत्र में बना उच्च स्तरीय मनोरंजन केंद्र

भारतीय दर्शकों की भी पहली पसंद

अमन लेखनी समाचार/मोहम्मद कौशर

रूपईडीहा, बहराइच। सिने रॉयल सिनेमा हॉल, नेपालगंज की द्वितीय वर्षगांठ समारोह हर्षोल्लास और भव्यता के साथ सिने हॉल परिसर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सिने रॉयल के निदेशक डॉ. राहुल थापा ने बताया कि नेपाल के सुदूर पश्चिम से लेकर सीमावर्ती शहर नेपालगंज तक किसी भी प्रकार का उच्च स्तरीय मनोरंजन केंद्र नहीं था, जिसकी कमी स्थानीय लोग लंबे समय से महसूस कर रहे थे।उन्होंने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे दिमाग में इसीलिए आया कि स्थानीय जनता को भी बड़े शहरों जैसे काठमांडू की तरह गुणवत्तापूर्ण मनोरंजन उपलब्ध कराया जा सके। सिने रॉयल इसी सोच का परिणाम है और मुझे गर्व है कि यह एक सफल निर्णय साबित हुआ है। आज सिने रॉयल इस क्षेत्र का एक प्रमुख और लोकप्रिय मनोरंजन स्थल बन चुका है।₹ डॉ. थापा ने यह भी जानकारी दी कि सिने रॉयल की सफलता को देखते हुए अब इसे नेपाल के अन्य शहरों में भी स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है। सबसे पहले इसे नेपाल की राजधानी काठमांडू में स्थापित करने की तैयारी चल रही है। कार्यक्रम में सिने रॉयल के सीईओ रितेश श्रेष्ठ ने बताया कि, ₹यह केवल एक सिनेमा हॉल नहीं बल्कि रोजगार का भी एक सशक्त माध्यम है। हमने दर्जनों लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान किया है और भविष्य में भी हम मनोरंजन के साथ-साथ रोजगार सृजन को प्राथमिकता देते रहेंगे। उन्होंने आगे बताया कि, ₹सिने रॉयल में नेपाली और भारतीय दोनों भाषाओं की फिल्में दिखाई जाती हैं। हमारे दर्शकों में जितने नेपाली हैं, लगभग उतने ही भारतीय दर्शक भी हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में इस स्तर का कोई

सिनेमा हॉल उपलब्ध नहीं है, इसलिए भारतीय दर्शक भी बड़ी संख्या में यहां फिल्में देखने आते हैं।₹ सीईओ रितेश श्रेष्ठ के अनुसार, इन दो वर्षों में करीब 1 लाख 17 हजार नेपाली दर्शक तथा 1 लाख 67 हजार भारतीय दर्शक सिने रॉयल में फिल्म देखने पहुंचे हैं, जो इस केंद्र की लोकप्रियता और सफलता को दर्शाता है। सिने रॉयल आज न केवल नेपालगंज का गौरव बन चुका है, बल्कि यह भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के नागरिकों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन गया है।

फल फूल के हिंडोले में विराजमान होकर राजाधिराज दिए दर्शन

अमन लेखनी समाचार

पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया के श्रावण मास में हिंडोले और घटाओं के जकार्यक्रम ठाकुर मंदिर द्वारकाधीश में होते हैं जिनका निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉक्टर वागिश कुमार जी महाराज तृतीय पीठाधीश्वर कांकरोली नरेश जी के द्वारा किए जाते हैं और उनके सफल निर्देशन मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 कांकरोली युवराज वेदांत कुमार जी महाराज एवं सिद्धांत कुमार जी महाराज के द्वारा किया जाता है उसी के तहत आज सावन तीज शुक्ल पक्ष के दिन ठाकुर द्वारिकाधीश जी महाराज फल फूल के हिंडोले में विराजमान हुए

यह क्रम पूरे सावन मास में निरंतर जारी रहेगा और कल ठाकुर जी आसमानी घटा में विराजमान होंगे और इस दौरान तिथि घड़ी और नक्षत्र के हिसाब से सावन में घटाओं के आयोजन होंगे घटा के दिन निम्न परिवर्तन दर्शन के समय में किया गया है और एक झांकी दर्शनार्थियों के लिए बढ़ाई गई है जिसमें निम्न प्रकार दर्शन रहेंगे जिस दिन घटा होगी उसे दिन सांयकाल के दर्शन का समय यह रहेगा 4:50 से 5:05 तक पहली झांकी और दूसरी झांकी 5:45 से 6:00 बजे तक उसके बाद 7:00 बजे से 8:00 बजे तक निरंतर घटा के दर्शन होंगे अतः समस्त धर्म पर भी जनता से अनुरोध है कि ठाकुर जी के विविध मनोरथों के लाभ लेकर अपने आप को पुण्य के भागी बने

कारगिल विजय दिवस पर एसएसबी ने निकाली साइकिल रैली

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। 59 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, नानपारा द्वारा ₹कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में खेलो इंडिया एवं फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत एक साइकिल रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक रैली पर वाहिनी के कमांडेंट कैलाश चंद रमोला के नेतृत्व में ए लिंगय्या द्वितीय कमान अधिकारी (चिकित्सा, उप कमांडेंट अभिनव कश्यप, अमित कुमार, हिमांशु दुबे सहित सभी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं सभी कार्मिकों ने पूरे उत्साह और राष्ट्रभक्ति के भाव से भाग लिया। साइकिल रैली के दौरान जवानों ने हाथों में तिरंगा लेकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ह्यजय हिंदह्ल, ह्यभारत माता की जयह्ल जैसे नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस रैली का उद्देश्य कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन करना तथा फिट इंडिया अभियान के तहत फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति आमजन को जागरूक करना था। कमांडेंट कैलाश चंद रमोला ने इस अवसर पर जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि ₹कारगिल युद्ध हमारे सैनिकों के अद्वितीय साहस, पराक्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। हमें उनके आदर्शों को अपनाते हुए राष्ट्रसेवा के पथ पर सदैव अग्रसर रहना चाहिए। ₹साइकिल रैली ने क्षेत्र में जोश, ऊर्जा और राष्ट्रभक्ति का संदेश प्रसारित किया और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की

कांवरियों का जत्था बुढ़वा बाबा मंदिर रवाना

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। रूपईडीहा थाना क्षेत्र में श्रावण माह के रविवार को कांवरियों का जत्था बुढ़वा बाबा मंदिर समेत अन्य शिवालयों में जल चढ़ाने के लिए रवाना हुआ। इस दौरान भक्ति से ओतप्रोत श्रद्धालुओं ने जमकर जयकारा किया।ढ़ोल नगाड़े डीजे की धुन पर जमकर थिरकने के साथ पूरा वातावरण शिवमय हों गया। बताते चले बक्शीगांव का कांवरियों का एक जत्था रविवार को बुढ़वा बाबा मंदिर (रामपुर) में पूजा अर्चना व जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ।जत्थे में शामिल शिवभक्तों का समूह पैदल बुढ़वा बाबा मंदिर सोमवार सुबह पहुंचेगा। सैड़को की संख्या में कांवरिया पूरे रास्ते पर नाचते गाते व बोल बम का उद्घोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे।सुरक्षा व्यवस्था हेतु अपराध निरीक्षक रणजीत यादव, उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह,राजेंद्र प्रसाद आरक्षी नरेंद्र गुप्ता, शमशेर अहमद,शिवेंद्र यादव आदि उपस्थिति रहे।

किसान क्रांति दल की मासिक बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल की ओर से कार्यकताओं की मासिक बैठक रविवार को शहर के बंजारी मोड़ ग्रीन सिटी नगीन कॉरपोरेट के सामने स्थिति जिला कार्यालय पर आहुति की गयी। पूर्व सूचना के आधार पर आयोजि इस बैठक कार्यक्रम के मुख्यातिथि राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल के प्रदेश अध्यक्ष रामजी तिवारी रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डी के मिश्रा ने, तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष श्याम कुमार मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि श्री तिवारी ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि, आगामी विधानसभा 2027 का चुनाव हमारे लिये काफी महत्वपूर्ण है, जिसके लिये हमें अपनी पहचान पंचायत चुनाव से बनाना है। सभी कार्यकर्ता एक जिम्मेदारी के साथ कमर कस लें, और वृहद रूप से सदस्ता अभियान चलाएं। फिर बूथ तक कमेटी गठित कर राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल, को मजबूती प्रदान करें। इस अवसर पर बंदना मिश्रा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा, संतोष उपाध्याय, अदालत प्रसाद पांडे जिला सचिव, रंजना पाठक, नीतू मिश्रा, बबिता पांडे, महेंद्र अवस्थी जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, सत्येंद्र पांडे नानपारा विधानसभा अध्यक्ष सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीआरपीएफ 16 बटालियन ने धूमधाम से मनाया 87वां स्थापना दिवस

अमन लेखनी समाचार

मथुरा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 16वीं बटालियन द्वारा आज 87वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह समारोह रांचीबांगर स्थित बटालियन मुख्यालय में आयोजित किया गया, जिसकी अगुवाई कमांडेंट नितिन कुमार ने की। सीआरपीएफ की स्थापना 27 जुलाई 1939 को की गई थी, जो बाद में 1949 में भारत सरकार के अधीन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के रूप में परिवर्तित हुई। इस अवसर पर सर्वप्रथम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर साइलेंट परेड व सलामी दी गई। कमांडेंट नितिन कुमार ने जवानों को संबोधित करते हुए बल की वीरता और इतिहास पर प्रकाश डाला और उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में अधिकारियों, अधीनस्थ कार्मिकों व उनके परिजनों ने भाग लिया। इस अवसर पर बल परिसर में वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम और परिजनों के लिए योग शिविर का भी आयोजन किया गया। साथ ही क्वार्टर गार्ड की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण भी किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में विजयी टीमों को पुरस्कार भी वितरित किए गए और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भोज का आयोजन हुआ। इस अवसर पर जय प्रकाश सिंह (द्वितीय कमान अधिकारी), राजवीर सिंह यादव (द्वितीय कमान अधिकारी), श्रीमती विजया लक्ष्मी चौहान (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), रजोज कुमार राय (उप-कमांडेंट) एवं अन्य अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

आर ओ/एआर ओ परीक्षा केन्द्रों का डीएम ने किया निरीक्षण

9216 के सापेक्ष उपस्थित रहे 4375 परीक्षार्थी

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जनपद के 22 शिक्षण संस्थाओं में स्थापित किये गये 23 परीक्षा केन्द्रों पर उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी के पदों पर भती हेतु 27 जुलाई 2025 को एक पाली में पूर्वान्ह 09:30 बजे से अपरान्ह 12:30 बजे तक सम्पन्न होने वाली लिखित परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी सहित जिले के अन्य प्रशासनिक अधिकारी भ्रमणशील रहे। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने परीक्षा केंद्र चौधरी सियाराम इंटर कालेज फखरपुर, स्व. ठाकुर हुकुम सिंह इंटर कालेज कैंसरगंज तथा पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय कीर्तनपुर का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने प्रातःकाल में कोषागार पहुंच कर प्रश्नपत्रों को परीक्षा केन्द्र भेजने की प्रक्रिया का जायजा लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि 22 शिक्षण संस्थाओं में स्थापित किये गये 23 परीक्षा केन्द्रों पर 9216 परीक्षार्थियों के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा में 4375 परीक्षार्थी उपस्थित रहे जो कि कुल अभ्यर्थियों की संख्या का 47.47 प्रतिशत है। इस प्रकार परीक्षा से अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों की संख्या 4841 है।

सफलता: 83 ग्राम गांजा सहित तस्कर गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। रूपईडीहा पुलिस ने 83 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक रूपईडीहा रमेश सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक बहराइच के दिशा-निर्देशन में अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रूपईडीहा पुलिस को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।उन्होंने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी नानपारा प्रद्युम्न सिंह के कुशल निर्देशन तथा मेरे नेतृत्व में उ0नि0 संतोष कुमार व आबकारी निरीक्षक लवमणि मोहन वर्मा सहित संयुक्त पुलिस टीम ने कस्बा रूपईडीहा स्थित गुरु किचन रेस्टोरेंट के सामने एक दुकान के पास से एक अभियुक्त को अवैध मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दिनेश सोनी पुत्र सत्य नारायण सोनी, निवासी दशहरा बाग, थाना रूपईडीहा, जनपद बहराइच उम्र लगभग 35 वर्ष के रूप में हुई है। अभियुक्त के पास से 83 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। इस संबंध में थाना रूपईडीहा पर एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

यूकेलिप्टस पेड़ो के अवैध कटान कर बेचने के प्रयास में गिरफ्तार

घटना मे प्रयुक्त ट्रैक्टर ट्रॉली भी सीज

अमन लेखनी समाचार

बहराइच।रविवार को रूपईडीहा रेंज बहराइच वन प्रभाग के अंतर्गत आरक्षित वन क्षेत्र से करीम गांव और बलचंदपुर के निवासी रक्षाराम और शमीम द्वारा यूकेलिप्टस पेड़ो के अवैध कटान कर उसको बेचने के प्रयास में वन अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्रवाई कर गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। इस घटना मे प्रयुक्त ट्रैक्टर ट्रॉली को भी सीज कर दिया गया है। जिसमें दोनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। अवैध कटान में ही लिप्त पूर्व के केस में 2 अन्य अभियुक्तों से 60000 रुपए का जुमार्ना वसूल किया गया। इस कार्यवाही में डिप्टी रेंजर विनय राणा, वन दारोगा अरशद खान, अनंतराम, विमल कुमार, वन रक्षक ब्रह्मदेव आदि लोग शामिल रहे।

नाली की खुदाई में मिले सोने के सिक्के

अलीगढ़ में प्रधान ने 11 सिक्के पुलिस को सौंपे, मजदूरों पर बाकी सिक्के बांटने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , थाना क्वार्सी क्षेत्र के गांव बरहेती में एक अनोखी घटना सामने आई है। नाली निर्माण के लिए हो रही खुदाई के दौरान सोने के कई सिक्के मिले हैं। ग्रामीणों ने बताया- जब नाली की खुदाई चल रही थी, तब मिट्टी से सोने-चांदी के सिक्के और सुरमेदानी जैसी वस्तुएं निकलीं। मजदूरों ने इनमें से 11 सोने के सिक्के ग्राम प्रधान को सौंप दिए। ग्राम प्रधान ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को प्रधान ने सभी 11 सिक्के सौंप दिए। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ और सिक्के भी मिले थे, जिन्हें मजदूरों ने आपस में बांट लिया। बताया जा रहा है कि गांव में सड़क किनारे नाली निर्माण को लेकर खुदाई चल रही थी। गांव का पानी इकट्ठा न हो, इसको लेकर सड़क किनारे बने प्लाट (खेत) में 2 फीट का गड्ढा खोदा गया। ताकि उसमें गांव का पानी जा सके।उसी दौरान 11 सोने के सिक्के मिले। जिन्हें बरामद कर पुलिस को ग्राम प्रधान ने दे दिया। फिलहाल खुदाई को बंद कर दिया गया है। 2 पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। सोने के 1 सिक्के की कीमत 1.50 लाख बताई जा रही है। सिक्कों को पुरातत्व विभाग भेजा जाएगा। प्लाट मालिक महेशपुर गांव का बताया जा रहा है।

एक मजदूर का कहना है कि वह खुदाई शुरू होने के समय ही बेहोश हो गया था। उसे नहीं पता कि वहां क्या मिला और क्या हुआ। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त सिक्कों के ऐतिहासिक महत्व का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस तरह के पुरातात्विक महत्व के सामान मिलने से क्षेत्र में काफी उत्सुकता है।

बारिश से किसानों को राहत

तेज आंधी और मूसलाधार बारिश से खेतों में लौटी नमी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, ग्राम सभा कोयलारा मुबारकपुर में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश ने किसानों को राहत प्रदान की है। इस बारिश से रोपाई किए हुए खेतों में नमी वापस आ गई है। लंबे समय से सूखे की स्थिति से जूझ रहे किसानों के लिए यह बारिश वरदान साबित हुई है। बुजुर्ग किसानों के अनुसार, पिछले 15 से 20 दिनों से क्षेत्र में सिर्फ 1-2 मिनट की हल्की बारिश ही हो रही थी, जो फसलों के लिए पर्याप्त नहीं थी। अब इस बारिश के बाद किसान अपनी फसलों में खाद के साथ-साथ कीटनाशक दवाओं का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बारिश के बाद कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिनकी रोकथाम के लिए किसान अपने खेतों में आवश्यक उपायों का इस्तेमाल कर सकेंगे। इस अवसर पर मोहम्मद लतीफ, मोहम्मद अनवर, अहमद हुसैन और अत्ताउल्लाह सहित कई किसान मौजूद रहे। सभी किसानों ने बारिश से मिली राहत पर संतोष व्यक्त किया।

सीएचसी पर हुई अंतर विभागीय बैठक

11 से 13 अगस्त तक खिलाई जाएगी अल्बेंडाजोल दवा, फील्ड स्तर पर बेहतर समन्वय का निर्देश

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, संग्रामपुर (अमेठी) में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नियमित टीकाकरण और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) माह के सफल क्रियान्वयन के लिए थी। बैठक की अध्यक्षता सीएचसी अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह ने की। इस दौरान बीडीओ अनुपस्थित रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि 11 अगस्त से 13 अगस्त 2025 तक आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को अल्बेंडाजोल दवा खिलाई जाएगी। जो बच्चे इस दौरान छूट जाएंगे, उन्हें 14 अगस्त को मॉप-अप राउंड के तहत दवा दी जाएगी। डॉ. संतोष सिंह ने सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए यह अभियान अत्यंत आवश्यक है। बैठक में चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष सिंह, बाल विकास परियोजना से सीडीपीओ रूपेश सरोज, खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अर्जुन कुमार शुक्ल उपस्थित थे। साथ ही एआरओ डॉ. संतोष कुमार यादव, डब्लूएचओ से मॉनिटर सुरेश द्विवेदी, बीपीएम शंभूनाथ पांडे और बीसीपीएम तीर्थराज यादव भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सभी विभागों को उनके उत्तरदायित्वों की जानकारी दी गई। फील्ड स्तर पर बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी जारी किए गए।

संक्षेप

नगर निगम कार्यालय में लगी आग

शॉर्ट सर्किट से बेसमेंट में लगी आग, फॉल सीलिंग और फर्नीचर को नुकसान

गाजियाबाद, नवयुग मार्केट स्थित नगर निगम कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई। बेसमेंट से अचानक धुएं का गुबार उठता दिखा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आया। कोतवाली फायर स्टेशन से तीन फायर टैंकरों की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। मीटिंग हॉल के भीतर बिजली यूनिट और कंट्रोल पैनल में आग लग चुकी थी। आग फैलकर ऊपरी मंजिल की ओर बढ़ रही थी। इलेक्ट्रिक डक्ट्स के जरिए आग ऊपर तक पहुंच चुकी थी। दमकल टीम ने मोटर पंप की मदद से तेजी से आग पर काबू पाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पूरी तरह बुझा दी गई। दमकल कर्मियों ने पूरे भवन की जांच की। उन्होंने सुनिश्चित किया कि कहीं कोई चिंगारी बाकी न रहे। अगर थोड़ी सी भी देर होती, तो आग पूरे भवन को चपेट में ले सकती थी। हादसे में बेसमेंट में रखी 10 से 12 कुर्सियां, एक एयर कंडीशनर और फॉल सीलिंग को नुकसान पहुंचा है। आग लगने के वक्त मीटिंग हॉल में कोई मौजूद नहीं था। इसलिए किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मौके पर मेयर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक भी पहुंचे। माना जा रहा है कि आग लगने की वजह बिजली से जुड़ी तकनीकी खराबी है। अधिकारियों ने बिजली व्यवस्था की जांच कराने की बात कही है। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों। नगर निगम कार्यालय में रोजाना सैकड़ों कर्मचारी और नागरिक आते हैं। यह घटना और भी गंभीर हो सकती थी। गनीमत रही कि यह हादसा शाम के समय हुआ जब भीड़ कम थी। दमकल विभाग के समय पर पहुंचने से बड़ा हादसा टल गया।

शिब्बनपुरा में कबाड़ गोदाम में लगी आग

धुएं से भरा इलाका, दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू

गाजियाबाद, पटेल नगर सेकेंड स्थित शिब्बनपुरा इलाके में जितेन्द्र एंटरप्राइज के कबाड़ गोदाम में अचानक आग लग गई। गत्तों और कबाड़ से भरे इस गोदाम से धुएं के गुबार उठने लगे। इससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उन्होंने आग बुझाने का काम शुरू किया। गोदाम में बड़ी मात्रा में कागज और गत्ता भरा हुआ था। इस कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभालते हुए गोदाम के अंदर प्रवेश किया। उन्होंने गत्तों को बाहर निकाला और पानी की तेज बौछार डालकर आग को नियंत्रित किया। धुआं इतना घना था कि दमकल टीम को अंदर घुसने में काफी दिक्कत हुई। लेकिन लगातार प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। गोदाम मालिक जितेन्द्र भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यहां पुराने गत्ते और कबाड़ का स्टॉक रखा गया था। आग से गोदाम का काफी सामान जलकर नष्ट हो गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। मौके पर पहुंची फायर टीम ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रण में कर लिया है।

व्यापार मंडल एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में मतदाता जागरूकता अभियान हुआ संपन्न

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। एक राष्ट्र, एक चुनाव की दिशा में जनचेतना को बल देने हेतु भारतीय जनता पार्टी महानगर द्वारा राधेश्याम चैरिटेबल फाउंडेशन तत्वाधान में रविवार को सरस्वती कुंड के निकट स्थित अग्रवाटिका में मतदाता जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे उत्तर प्रदेश सरकार कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी महापौर विनोद अग्रवाल भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव पूर्व जिला अध्यक्ष पदम सिंह शर्मा प्रख्यात शिक्षाविद प्रो. (डॉ.) रमाकांत द्विवेदी, और संस्था के महासचिव सौरभ त्रिपाठी ने मां सरस्वती को दीप प्रज्वलित सम्मेलन का शुभारंभ किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीयमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से न केवल संसाधनों की बबार्दी होती है, बल्कि यह प्रशासनिक और विकास कार्यों में रुकावट भी पैदा करता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ह्यएक देश, एक चुनावह्न की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे देश की समृद्धि, संसाधनों के संरक्षण और लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने इस पहल का विरोध करने वाली पार्टियों, विशेषकर कांग्रेस, पर निशाना साधते हुए इसे जनभावनाओं के प्रतिकूल बताया।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा एक राष्ट्र, एक चुनावह्न भारत के लोकतंत्र की गति को तीव्र और पारदर्शी बनाएगा।जनप्रतिनिधि शासन में व्यस्त रहें, चुनाव में नहीं यही समय की माँग है।

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने अपने संबोधन में कहा

मतदाता जागरूकता एक राष्ट्रीय कर्तव्य है। प्रत्येक नागरिक को यह संकल्प लेना होगा कि वे न केवल स्वयं मतदान करें, अपितु दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

महापौर विनोद अग्रवाल ने कहा लोकतंत्र की असली ताकत जनता है। जब जनता पूरी तरह से जागरूक होकर मतदान करेगी, तभी सशक्त भारत का निर्माण होगा।

भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री हरिशंकर 'राजू' यादव ने कहा मथुरा के नागरिक सदैव राष्ट्रहित के मुद्दों पर अग्रणी रहे हैं। एक राष्ट्र, एक चुनाव एक ऐतिहासिक निर्णय होगा, जिसमें मथुरा की भूमिका अहम रहेगी। सम्मेलन के अंत में मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने उपस्थितजनों को एक राष्ट्र, एक चुनावह्न के समर्थन में शपथ दिलाई और सभी से शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। मंच साझा पर विधायक पूरन प्रकाश, विधायक गोवर्धन ठा. मेघश्याम सिंह ,एमएलसी ठाकुर ओमप्रकाश सिंह, पूर्व चेयरमैन रविंद्र पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. डीपी गोयल समेत बड़ी संख्या में मंच पर गणमान्य लोग मौजूद रहे।वहीं भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया लव कुमार गुप्ता ने कलराज मिश्र के स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में नहीं आने पर उनका संदेश पढ़कर सुनाया और जल्द मथुरा और वृंदावनवासियों से मिलने का संकल्प जताया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन पदम सिंह ने किया।

कार्यक्रम का संचालन ऋचा बावेजा ने प्रभावशाली ढंग से किया। इस आयोजन को सफल बनाने में पं. नवीन गौड़ का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में श्री शारद श्रीवास्तव, नीरज अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, देवाशीष अग्रवाल, शिवम किरोड़ी, अभिषेक महेश्वरी, संजय शर्मा कुंज बिहारी चतुर्वेदी रामकिशन पाठक योगेश आभा का विशेष सहायोग रहा व इस अवसर पर बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

श्री वामन भगवान महोत्सव समिति एवं शोभायात्रा समिति की संयुक्त बैठक रविवार को संपन्न

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। आगामी 4 सितंबर 2025 को डीगेट कुंज बिहारी मंदिर, मथुरा से निकलने वाली श्री वामन भगवान शोभायात्रा समिति की द्वारा संयुक्त तत्वधान में शोभायात्रा की तैयारियों को श्री वामन भगवान महोत्सव समिति एवं श्री वामन लेकर एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक रविवार को श्री जी बाबा आश्रम, भूतेश्वर पर संपन्न हुई। महोत्सव समिति के संरक्षण पंडित रामगोपाल शर्मा आचार्य रमाकांत गोस्वामी पंडित संजय हरियाणा संजय पिपरोनिया समिति के संस्थापक श्याम शर्मा मनोज शर्मा बॉबी इं. राजकुमार शर्मा ने भगवान वामन जी के चित्रपट के समक्ष पुष्प अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक की अध्यक्षता आचार्य रमा कांत गोस्वामी ने की। संबोधन करते हुए। बैठक को संबोधित करते हुए महोत्सव समिति के संरक्षण पंडित रामगोपाल शर्मा ने कहा कि श्री वामन भगवान की शोभायात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक परंपरा का सजीव उदाहरण भी है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से संयम, अनुशासन और सेवाभाव के साथ तैयारी में जुटने का आह्वान किया।

पंडित संजय हरियाणा ने आयोजन की धार्मिक गरिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शोभायात्रा जनमानस को अध्यात्म से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।

संजय पिपरोनिया ने सजावट, झांकियों और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर अपने विचार साझा किए।

आचार्य रमाकांत गोस्वामी, जिन्होंने बैठक की अध्यक्षता की, उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा और धार्मिक अनुशासन की महत्ता पर बल दिया।

महोत्सव समिति के संस्थापक श्री श्याम शर्मा ने समिति के उद्देश्यों और संगठनात्मक समर्पण को रेखांकित किया।

वहीं इंजीनियर राजकुमार शर्मा ने तकनीकी और व्यवस्थागत दृष्टिकोण से सुझाव रखे, जिससे शोभायात्रा की भव्यता और सुव्यवस्था सुनिश्चित हो सके। संचालन शोभा यात्रा समिति के संस्थापक राजेश पाठक ने की।

इस अवसर पर अर्जुन पंडित विजय शर्मा आशीष शर्मा डॉ जमुना शर्मा सोनू गौड चंद्र प्रकाश मिश्रा गौरव शर्मा नीरजवशिष्ट कुंज बिहारी भारद्वाज मोनू गजेंद्र शर्मा पंडित ललित स्वामी विनोद गौड़ कुलदीप शर्मा लब्बू पंडित दाऊ दयाल पंडा सर्वेश चतुर्वेदी राजा दीक्षित राकेश पाठक सरोज वशिष्ठ अवधेश गौतम विपिन ओझा विनोद गौड़ अखिलेश गौड़ राकेश गौड़ पंकज शर्मा राजनारायण गौड़ मोहन भारद्वाज बलराम शर्मा ब्रह्मदेव शर्मा अभिषेक शर्मा लालोपंडित पंडित निर्मल भारद्वाज रविकांत पाराशर आदि मौजूद थे

10 फीट लंबे अजगर का बुजुर्ग पर अटैक

मेरठ में पकड़कर ड्रम में डाल रहे थे, तभी दबोच ली कलाई

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, 68 साल के बुजुर्ग पर 10 फीट लंबे अजगर ने हमला किया। उनकी कलाई दबोच ली। जैसे-तैसे बुजुर्ग ने अपना हाथ छुड़ाया। इसके बाद लोग उन्हें लेकर जिला अस्पताल गए। दरअसल, एक घर के बाहर अजगर दिखाई दिया। करीब 10 फीट लंबे अजगर को देखकर इलाके में शोर मच गया। लोगों ने वन विभाग को फोन किया। लेकिन डेढ़ घंटे बाद भी कोई वनकर्मी नहीं आया। गांव के एक बुजुर्ग को अजगर पकड़ने के लिए बुलाया गया। वह सांप को पकड़कर ड्रम में डालने लगे, तभी एकदम से उसने अटैक कर दिया। घटना भावनपुर थाना क्षेत्र के अब्दुल्लापुर गांव के पास की है। मिलन गार्डन कॉलोनी में कच्ची जगह पर अजगर निकला। इस कालोनी में रहने वाले आदिल ने सबसे पहले अजगर को देखा। देखते ही उसने अपने पड़ोस के रहने वाले दोस्त आमिर को फोन करके अजगर के बारे में बताया। फोन पर आदिल ने आमिर से कहा- मैं दुकान पर बैठा था। तभी हमने देखा कि हमारी कॉलोनी में घर के पास अजगर निकला है। जल्दी आओ। बहुत बड़ा है। किसी के भी घर में घुस जाएगा। फिर निकालते नहीं बनेगा। इतना सुनते ही आमिर कॉलोनी में पहुंचा। मौके पर आसपास के लोग भी पहुंचे थे। इधर आदिल और आमिर ने वन विभाग को फोन किया। अजगर निकलने की सूचना दी। लेकिन करीबन एक-डेढ़ घंटे तक इंतजार करने के बावजूद भी कोई कर्मचारी नहीं पहुंचा। इसके बाद लोगों ने निर्णय लिया कि अजगर को बड़े से ड्रम में भर देते हैं। तब तक वन विभाग से कोई न कोई आ ही जाएगा। अजगर को देखने के लिए लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसी दौरान सांपों को पकड़ने वाले गांव के ही 68 साल के बुजुर्ग पीरजी को बुलाया गया। पीरजी अजगर को पकड़ कर ड्रम में डालने लगे। तभी अजगर ने उनका हाथ दबोच लिया। किसी तरह उन्होंने हाथ झटक-झटक कर अजगर से अपनी कलाई छुड़वाई।

श्रीजी बाबा स्कूल में श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन भक्तगण भक्ति से झूम उठे

अमन लेखनी समाचार

मथुरा। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मन्दिर, मथुरा के बालिका विभाग परिसर स्थित पुण्यश्लोका अहिल्याबाई होल्कर सभागार में 25 से 31 जुलाई 2025 तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के दूसरे दिन व्यासपीठ पर विराजमान ख्यातिलब्ध कथावाचक महन्त रमाकान्त गोस्वामी ने भक्तों को नारी महात्म्य गाथा का रसास्वादन कराते हुए अपने श्रीमुख से द्वितीय एवं तृतीय स्कन्ध की कथा, भक्तमाल से नारी महिमा, सनातन धर्म का परिवार वर्णन और गौरीशंकर की कथा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कथास्थल पर उपस्थित श्रोतागण संगीतमय प्रसंगों को सुनकर मन्त्र-मुग्ध हो गए। बताते चलें कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को समर्पित इस सप्तदिवसीय कथा का मूलोद्देश्य समाज के नर-नारियों के अन्दर नारी महात्म्य एवं उनके सम्मान को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित पूर्व प्रधानाचार्य डॉ० अजय शर्मा ने कथा श्रवण को अपना सौभाग्य बताते हुए कहा कि समाज की बेटियों एवं मातृशक्ति के साथ-साथ हमें और हमारे विद्यार्थियों को पूज्य श्रीजी बाबा महाराज का आशीर्वाद उनके सुपुत्र व्यासपीठ पर विराजमान महन्त रमाकान्त गोस्वामी के श्रीवचनों के रूप में प्राप्त हो रहा है। वहीं प्रधानाचार्य हरेन्द्र कुमार सारस्वत ने कहा कि विद्यार्थियों को सहज रूप में पौराणिक कथाओं का श्रवण करने का पुण्यलाभ प्राप्त हो रहा है, जिसे वे सह-पाठ्य गतिविधि के रूप में भी स्वीकार कर सकते हैं। कथास्थल पर सन्तजन, मुख्य यजमान ओमप्रकाश बंसल और ऊषा बंसल, उपाध्यक्ष वीरेन्द्र बंसल, प्रबन्धक प्रो० तेजपाल सिंह, सह-प्रबन्धक प्रदीप अग्रवाल, डॉ० रोशनलाल, गिरीशचन्द्र अग्रवाल, उप-प्रधानाचार्य प्रेमशंकर एवं नीलम माहेश्वरी, शिवहरी गोस्वामी, धर्मेन्द्र बंसल, डॉ० हरीश सारस्वत, रामसागर मिश्रा, सुधीर त्रिवेदी, नवीन वार्ष्णेय, ललित कुमार, शेर सिंह सिकरवार आदि आचार्यगण, कर्मचारीगण, छात्र-छात्राएँ एवं अन्य श्रोतागण उपस्थित रहे

जनशक्ति पार्टी की जिलाध्यक्ष प्रतिमा ने मांगी सुरक्षा

गाड़ी रोककर अज्ञात लोगों धमकी देने का आरोप, घर में चोरी की शिकायत लेकर पहुंची एसपी कार्यालय

अमन लेखनी समाचार

बागपत, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की जिला अध्यक्ष प्रतिमा ने अपने कार्यकताओं के साथ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। उन्होंने अपनी सुरक्षा संबंधी चिंताओं से अधिकारियों को अवगत कराया। प्रतिमा ने बताया कि कुछ दिनों से अज्ञात लोग उन्हें डरा रहे हैं। रात में उनके घर के बाहर संदिग्ध लोग दिखाई दिए थे। इस बारे में उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा, उनकी गाड़ी को भी रोकने की कोशिश की गई थी। उस समय उन्होंने मोबाइल से अज्ञात लोगों के फोटो खींचकर पुलिस को दिखाए। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिलाध्यक्ष ने बताया कि उनके मकान में चोरी हुई थी। लेकिन इस मामले में भी उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। प्रतिमा ने कहा कि काफी समय से उन्हें डराने की कोशिश हो रही है। संदिग्ध लोग लगातार उनकी गाड़ी और मकान की निगरानी करते हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से इन संदिग्धों पर कार्रवाई करने और अपनी जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है।

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, 12 गिरफ्तार

लाठी-डंडे और पथराव में 6 लोग घायल, 25 पर मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

बागपत, टुकाली फुलैरा गांव में दो पक्षों के बीच कहासुनी से शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान जमकर लाठी-डंडे चले और पथराव हुआ। घटना का वीडियो सामने आने पर पुलिस ने कार्रवाई की। गांव निवासी रामपाल पुत्र वेद ने बताया कि वह अपने घर के घेर में बैठे थे। इसी दौरान पड़ोसियों से कहासुनी हो गई। यह कहासुनी देखते ही देखते विवाद में बदल गई।

दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इस हिंसक झड़प में छह लोग घायल हो गए। विवाद के दौरान हुए पथराव का वीडियो मौके पर मौजूद लोगों ने बना लिया। यह वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर 25 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से 12 आरोपियों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया है। शेष आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। मामले की जांच जारी है।

निजी अस्पताल में परिजनों का हंगामा

डिलीवरी कराने अस्पताल पहुंची महिला को परिजनों ने समझा मृत, डॉक्टर जांच में निकली जिंदा

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , निजी अस्पताल से एक अजीब घटना सामने आई है जहां एक महिला को मरा हुआ मान चुके परिजन हंगामा कर रहे थे वो महिला डॉक्टर जांच में जिंदा पाई गई है डॉक्टरों ने अन्नू को वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया है जहां महिला की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। महिला के प्रसव पीड़ा हुई तो परिजनों ने अन्नू को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसके टेस्ट भी किए। टेस्ट में सामने आया की महिला के कमजोर होने के कारण बच्चा पेट में ही मर गया है। ऑपरेशन कर बच्चे को पेट से बाहर निकलना पड़ेगा। जब इसकी जानकारी परिजनों को दी गई तो उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। लेकिन डॉक्टर्स का कहना था कि महिला इलाज के बाद ठीक हो जाएगी। परिजनों के अनुसार शाम 6 बजे अन्नू ने अपनी नंद से बातचीत की। लेकिन उसके बाद अचानक अन्नू की तबियत बिगड़ गई जहां डॉक्टरों ने उसे वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया। जब परिजन अन्नू से मिलने पहुंचे तो महिला के शरीर में कोई हरकत न देखते हुए उसे मृत समझ बैठे पूरा अस्पताल चीखों से गूंज उठा।

अस्पताल के डॉक्टरों को जब इसकी जानकारी हुई तो महिला को देखने मौके पर पहुंचे तो थोड़ी देर बाद महिला के शरीर में हरकत देख परिजनों की जान में जान आई। लेकिन अभी भी महिला की हालत गंभीर बनी हुई है उसे वेंटिलेटर पर रखा हुआ है। परिजनों का आरोप है

कि अस्पताल प्रशासन कोई भी संतोष जनक जवाब नहीं दे रहा है। जिसके कारण परिजनों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जानकारी के अनुसार अन्नू की पहले भी एक संतान की मृत्यु हो चुकी है। महिला की शादी 13 साल पहले राजीव नामक युवक से हुई थी और परिवार प्राणगढ़ी इलाके का निवासी है।

डायट में पॉटरी मेकिंग कार्यशाला

80 प्रशिक्षुओं ने सीखी मिट्टी से कलात्मक बर्तन बनाने की तकनीक

अमन लेखनी समाचार

जेवर, ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में एक दिवसीय पॉटरी मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत रोजगारपरक शिक्षा को प्रोत्साहित करना था। डायट प्राचार्य राज सिंह यादव और उपप्राचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में डीएलएड बैच 2023 व 2024 के लगभग 80 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। संस्थान के सभी संकाय सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यशाला में त्रिवेणी प्रसाद तिवारी ने प्रशिक्षुओं को मिट्टी से उपयोगी और कलात्मक बर्तन बनाने की विभिन्न तकनीकें सिखाईं। कला प्रवक्ता भोला कुमार के नेतृत्व में प्रशिक्षुओं ने पॉटरी निर्माण की बारीकियों को सीखा। सभी प्रतिभागियों ने व्यावहारिक अभ्यास के माध्यम से इस पारंपरिक कला को समझने का प्रयास किया। यह कार्यशाला विशेष रूप से छात्रों को व्यावहारिक कौशल विकसित करने और पारंपरिक कलाओं से जोड़ने के लिए आयोजित की गई थी। इस प्रकार के आयोजन शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी प्रदान करते हैं

पेड़ों के काटने पर ग्रेनो प्राधिकरण का एक्शन

कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैकलिस्ट करने, जमानत राशि जब्त करने और एफआईआर की संस्तुति

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर, ग्रेटर नोएडा के सेक्टर चाई थ्री की ग्रीन बेल्ट में पेड़ों को काटे जाने की घटना पर प्राधिकरण ने कड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने संबंधित कॉन्ट्रैक्टर योगेंद्र एसोसिएट्स को ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय लिया है। प्राधिकरण ने कॉन्ट्रैक्टर की जमा सिक्योरिटी मनी जब्त करने और एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस और प्रबंधक को प्रतिकूल प्रविष्टि देने की संस्तुति दी गई है। सीईओ एनजी रवि कुमार ने इस घटना पर नाराजगी जताते हुए लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ मौके का मुआयना किया और पेड़ काटने की घटना की जांच की। मौके पर पेड़ काटे जाने के साक्ष्य मिले। कॉन्ट्रैक्टर को इसी साल अप्रैल में चाई थ्री की ग्रीन बेल्ट और अन्य ग्रीनरी के रखरखाव के लिए दो साल की जिम्मेदारी दी गई थी। प्राधिकरण ने सहायक प्रबंधक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई का निर्णय लिया है। सुपरवाइजर अनूप भाटी और तकनीकी सुपरवाइजर महेश तिवारी का अनुबंध तत्काल समाप्त करने का भी फैसला किया गया है। एसीईओ ने स्पष्ट चेताया है कि वन विभाग की अनुमति के बिना पेड़ काटने वालों से प्राधिकरण सख्ती से निपटेगा। सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेनो वासियों से पेड़ों को न काटने, पेड़ों की देखभाल करने और ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ व हरा-भरा बनाने के लिए बृहद पौधरोपण करने की अपील की है।

9 करोड़ की धोखाधड़ी में एक गिरफ्तार

2 सालों में आरोपी के खाते से 81.36 करोड़ का हुआ लेनदेन, दो आरोपी पहले हो चुके गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, थाना साइबर क्राइम पुलिस ने 09 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी में शामिल एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। ठग की पहचान नीरज मांडिया निवासी चावड़ी बाजार दिल्ली हुई है। आरोपी की गिरफ्तारी दिल्ली से की गई। एडीसीपी साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने बताया कि पूछताछ के दौरान नीरज मांडिया ने बताया कि उसके साथ शुभम व अन्य साथी भी है। जिन्होंने नीरज मांडिया से मांडिया ट्रेडर्स के नाम पर बैंक खाता खुलवाकर किट दी। जिससे उसके बैंक खाते में अस्पताल में हुई धोखाधड़ी के 2 करोड़ 50 लाख 48 हजार 011 रुपए की धनराशि ट्रांसफर की गई थी। नीरज को इस कार्य के लिए 10 हजार रुपए प्रति माह मिलते थे। उन्होंने बताया कि जब बैंक खाते की ट्रांजैक्शन डिटेल निकाली गई चौकाने वाला मामला सामने आया। इस बैंक खाते के ट्रांजैक्शन विवरण से पाया गया कि विगत 02 सालों में करीब 81.36 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है। इसके संबंध में छानबीन की जा रही है। बता दे इस मामले में उनके हॉस्पीटल में केशलैस व्यवस्था के अन्तर्गत मेडिकल बिल के पेमेंट में हुई 9 करोड की धोखाधड़ी होने के साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में अस्पताल के पूर्व रिकवरी अधिकारी व उसके अन्य 02 साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

संक्षेप

कस्बे के दो परीक्षा केंद्रों में 603 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के दो शिक्षण संस्थानों में आरओ/एआरओ के लिए बनाए गए परीक्षा केदो में 864 के सापेक्ष 261 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के उपरांत बाहर आए प्रतिभागियों ने कहा कि पेपर काफी अच्छा था और परिणाम बेहतर आने की उम्मीद है। आरओ/एआरओ की परीक्षा के लिए कस्बे के राजकीय महाविद्यालय के अलावा बांकी मार्ग में संचालित अजय मेमोरियल इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया। राजकीय महाविद्यालय में 480 के सापेक्ष 141 परीक्षार्थी केंद्र पर पहुंचकर परीक्षा में शामिल हुए। इसी तरह अजय मेमोरियल इंटर कॉलेज में 384 के सापेक्ष 120 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे। इस तरह से कस्बे के दोनों केंद्रों में 864 के सापेक्ष 261 परीक्षार्थी परीक्षा देने आए और 603 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोनों केंद्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम कराए गए। थानाध्यक्ष अनूप सिंह लगातार दोनों केंद्रों का भ्रमण करते रहे

सांसदों एवं विधायकों से संपर्क हेतु बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होमियोपैथिक मेडिसिन का प्रतिनिधि मंडल नामित

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश में सरकारी बोर्ड बनवाने के लिए प्रयासरत है। इस हेतु बोर्ड द्वारा प्रदेश के सांसदों एवं विधान मण्डल के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलने/संपर्क करने हेतु समितियों का गठन किया है ।संसद के दोनों सदनों राज्यसभा एवं लोकसभा हेतु हमीरपुर जनपद से बोर्ड की प्रबंध समिति के सदस्य नरेंद्र भूषण निगम, फिरोजाबाद जनपद से प्रवक्ता डॉक्टर शिव कुमार पाल, उन्नाव जनपद से जिला प्रभारी गौरव द्विवेदी, अयोध्या जनपद के जिला प्रभारी तुफैलुर्रहमान तथा उनके द्वारा नामित सहयोगी सदस्य नामित किए गए हैं। विधान मण्डल के दोनों सदनों अर्थात विधान परिषद तथा विधान सभा हेतु प्रबंध समिति के सदस्य प्रताप नारायण कुशवाहा, डॉ० आशुतोष कपूर प्रधानाचार्य अवध इलेक्ट्रो होमियोपैथिक मेडिकल इंस्टीट्यूट, लखनऊ तथा अन्य शामिल किए गए हैं।

नशे के लिए रुपये नहीं देने पर पुत्र ने मां को पीट बनाया बंधक

विवाहिता पुत्री की शिकायत पर पुलिस ने कराया मुक्त

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के चांद थोक में एक कलयुगी पुत्र ने नशे के लिए रुपये नहीं देने पर मां को बेरहमी के साथ पीटा और कमरे में बंद करके ताला डाल दिया। विवाहिता पुत्री की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पुत्र को पकड़कर कमरे का ताला खुलवाकर मां को बाहर कराया। पुत्र पुलिस हिरासत में थाने में बैठा है कस्बे के चांद थोक निवासी स्व. रामसजीवन पांडे की विधवा जय देवी को शनिवार की रात इकलौते पुत्र आशीष पांडे ने नशे के लिए रुपये नहीं देने पर जमकर मारा पीटा और कमरे में बंद करके बाहर से ताला डाल दिया। मां ने इसकी जानकारी विवाहिता पुत्री को दी। पुत्री ने घटना से डायल 112 को अवगत कराया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पुत्र को पकड़कर कमरे में बंधक बनी मां को बाहर कराया।

सर्वर न आने से मजाक बनी निःशुल्क राशन वितरण प्रणाली

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय, झांसी। राशन वितरण की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के किए गए प्रयास कार्ड धारकों के लिए सिरदर्द बन गया है। अक्सर सर्वर न आने और फिंगर प्रिंट न मिलने के कारण कार्ड धारकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इधर तीन दिनों से सर्वर न आने के कारण उपभोक्ता परेशान हैं। पूरे दिन कोटा डीलर के यहां इंतजार में समय बिताने के बाद बिना राशन बैरंग लौटने को मजबूर हैं। सबसे अधिक परेशानी खाद्यान्न लेने पहुंचने वाली महिला लाभार्थियों को उठानी पड़ रही है ।राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए प्वाइंट ऑफ सेल (पॉस) मशीन से राशन वितरण किया जाता है। अक्सर मशीनों में सर्वर न आने की दिक्कतों का सामना कार्ड धारकों को करना पड़ता है। पिछले तीन दिनों से सर्वर की समस्या के राशन वितरण नहीं हो पा रहा है। सर्वर आने के इंतजार में कार्ड धारक सुबह से लेकर शाम तक कोटा डीलर के यहां समय गुजारने को मजबूर हैं।

सर्वर न आने पर खाली हाथ लौटने को मजबूर हो रहे हैं। रविवार को भी पूरे दिन सर्वर नहीं आया। रविवार की सुबह कोटा डीलरों के यहां भीड़ उमड़ी। सर्वर न आने से लोग इंतजार करते दिखे। कोटा डीलरों ने बताया कि सर्वर की समस्या के कारण वितरण में देरी होती है। इससे कार्ड धारक के गुस्सा का शिकार उन्हें होना पड़ता है। कार्ड धारक कोटेदार को अक्सर बुरा भला कहते रहते हैं यह समस्या अक्सर देखने को मिलती है।

सरकार को करना होगी वैकल्पिक व्यवस्था

दिहाड़ी पर दिन-रात मेहनत करने वाले गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों के लिए राशन कार्ड बनाकर निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने की व्यवस्था इस समय गरीब व मजदूर लोगों के लिए उल्टी गिनती राशन सामग्री के लिए भारी पड़ रही है क्योंकि दो-तीन दिन पात्र लाभार्थी जब राशन विक्रेता के यहां सर्वर न आने से हाजिरी देगा तो आखिर वह मजदूरी कब करेगा और फिर इस बार जुलाई माह में तो लगातार 5 दिनों से सर्वर आया राम,गयाराम बना हुआ है तो अब गरीब लाभार्थी कब मजदूरी करेगा और मजदूरी करता है तो यहां सरकार से मिलने वाला राशन सर्वर फिर न चले जाएं को लेकर राशन विक्रेता की दुकान से लेकर अपने घर के चक्कर लगाते उसके कई दिनों गुजर जाते है यह तो नई राशन वितरण प्रणाली गरीबों के लिए मजाक बन गई है उत्तर प्रदेश शासन को जनहित में इस ओर ध्यान देकर जल्द से जल्द सर्वर न आने पर वैकल्प व्यवस्था लाभार्थियों को राशन वितरण हेतु बनाना चाहिए इसको लेकर बड़ी संख्या में मजदूर लोगों ने उत्तर प्रदेश शासन के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जल्द व्यवस्था बनाये जाने की मांग की है।

फावड़े से प्रहार कर जीजा ने साले को उतारा मौत के घाट, पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

महोबा। बुंदेलखण्ड के महोबा जिले में हुई एक बड़ी घटना ने सभी के रोंगटे खडे कर दिए है साले को उसके घर पर ही फावड़े से प्रहार कर जीजा ने मौत के घाट उतार दिया हत्या के पीछे मानसिक बीमारी का कारण माना जा रहा है पुलिस ने सूचना मिलने पर घटना स्थल पर पहुँच शव कब्जे मे लेकर जांच पड़ताल मे शुरू कर दी है

कोतवाली थाना क्षेत्र के रतौली गांव निवासी हाकिम सिंह के यहां हमीरपुर जिले मिश्रीपुर गांव से उसका बहनोई राजबहादुर इलाज के लिए आया हुआ था वह करीब एक हफ्ते से घर में रुका हुआ था परिजनों के मुताबिक रात्रि के समय सभी लोग खाना खाकर सो गए उन्होंने सुबह के वक्त खतरनाक मंजर देखा तो वह दंग रह गए अपने साले की फावड़े से वार कर हत्या करने के बाद जीजा मौके से फरार हो गया सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुँच शव कब्जे मे कर पंचनामा भर पोस्टमार्टम को भेजा है घटना की बारीकी से जाच पड़ताल की जा रहीं घटना के सम्बन्ध में अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह ने बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रतौली से सूचना प्राप्त हुयी कि एक व्यक्ति हाकिम सिंह पुत्र लल्लू सिंह की हत्या उनके सगे बहनोई राजबहादुर सिंह ने कर दी है उक्त सूचना पर थाना स्थानीय पुलिस टीम द्वारा फील्ड यूनिट टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। परिजनों की तहरीर पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत किया गया है और पोस्टमार्टम की कार्यवाही करायी जा रही है। आरोपित को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

बांदा मार्ग में पांच सौ मीटर में सौ गढ्ढे , यात्री परेशान

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कस्बे के बांदा मार्ग में हाईवे बस स्टैंड से रानी लक्ष्मीबाई तिराहा तक पांच सौ मीटर में सौ गढ्ढे होने से हादसों का खतरा? मंडराने लगा है। जबकि मंडल मुख्यालय जाने का यह प्रमुख मार्ग है। इसके बाद लोक निर्माण विभाग इन गढ्ढो को नहीं ठीक करा रहा है।

बांदा मार्ग कस्बे के मध्य से होकर गुजरा है। इस मार्ग में भारी वाहनों के साथ हल्के वाहनों की भरमार रहती है। बरसात शुरू होते ही कस्बे के बस स्टैंड से रानी लक्ष्मीबाई तिराहा तक में पांच सौ मीटर की दूरी में एक सैकड़ा भारी भरकम गड्ढे हो गए हैं। यह गड्ढे किसी दिन बड़े हादसे के कारण बन सकते हैं। बता दें कि मंडल मुख्यालय बांदा मार्ग जाने का यह एक प्रमुख मार्ग है। इसके बाद पीडब्ल्यूडी गड्ढों की मरम्मत नहीं करा रहा है। पीडब्ल्यूडी के अवर? अभियंता राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। नए सिरे से पूरी सड़क बन रही है। जल्द ही गड्ढों की मरम्मत कराई जाएगी।

चार ब्लाक के 39 मंगल दलों को दी खेल प्रोत्साहन सामग्री

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक दल विभाग द्वारा कुरारा, मौदहा, सुमेरपुर एवं मुस्करा के सत्र 2024-25 के लिए चयनित युवक एवं महिला मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री का वितरण किया गया। कलेक्ट्रेट स्थित कलाम सभागार में राठ विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष जयंती राजपूत एवं नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद ने सामग्री के साथ उनका उत्साहवर्धन भी किया। जिला युवा कल्याण अधिकारी राहुल सिद्धार्थ ने बताया कि सुमेरपुर से एक युवक, छह महिला मंगल दल, कुरारा से चार युवक एवं छह महिला मंगल दल, मौदहा से पांच युवक एवं छह महिला मंगल दल एवं मुस्करा से पांच युवक एवं छह महिला मंगल दलों को सामग्री वितरित की गई।

जब लग नाता जाति का, तब लग भक्ति न होय-डॉ. अनुरागी

अमन लेखनी समाचार

महोबा। सन्त कबीर अमृतवाणी सत्संग कार्यक्रम कटकुलवापुरा स्थित कबीर आश्रम में प्रत्येक रविवार की भांति प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक कबीर वन्दना जय कबीर जय कबीर, जब गुरु कबीरा, दास तोरे द्वार खरडे उनकी हरो पीरा से शुरू हुआ। समिति प्रमुख डॉ0 एलसी अनुरागी प्राचार्य सांई डिग्री कालेज महोबा ने श्रीमद भागवत गीता के अध्याय 2 के श्लोक संख्या 51 कर्मजं बुद्धियुक्ता हि फल व्यक्त्वा मनीषिणः। जन्मबन्धविनिमुक्तिः, पदं गच्छन्त्यनामयम्-की व्याख्या करते हुये कहा कि बडे बडे ऋषिमुनि भक्तगण प्रभु की भक्ति के प्रभाव से जन्म मृत्यु के बंधन से मुक्त हो गये। इसी बात को कबीर कहते है कि भक्ति के लिये उच्च जाति का होना अनिवार्य नही है, जबकि कोई भी प्रेम से प्रभु की भक्ति प्राप्त कर सकता है। कबीर का दोहा प्रमाण स्वरुप है जब लग नाता जाति का, तब लग भक्ति न होय, नाता तोडे गुरु भजै भक्त कहावे सोय। पं0 हरीशंकर नायक ने कहा कि हुई भक्ति निष्फल नही जाती चाहे अनन्त युग बीत जाये, भक्ति का फल तो मिलना ही मिलना है। पं0 जगदीश रिछारिया ने राधिके तूने बंशी बजाई व भजन गायक इन्द्रजीत सिंह ने हंसा जब जब उडा अकेला भजन सुनाया। सुखराम स्नेही ने भजन यमुना के तट पर सावरे राधा बुला रही है सुनाया। वरिष्ठ कवि हरिश्चन्द्र वर्मा ने रचना कबीर जी मेरा अभिनन्दन स्वीकार करो, अंध विश्वास, रुढियों से समाज को मुक्त करो प्रस्तुत की। साध्वी सुनीता अनुरागी एड0 ने कबीर के दोहे ढाई आखर प्रेम का पढै सो पण्डित होय की विस्तार से व्याख्या की। भक्तों की मांग पर डॉ0 एलसी अनुरागी ने कजली मेले पर आल्हा सुनाया, पहले दिन का है कजली मेला, दूजे का है गुखार पहाड, तीजे दिना गुदडी मेला महोबा को जाने सकल संसार, गोखार मेला को अस्तित्व खोग गयो, छाति धधक धधक रह जाये, अनुरागी की विनती सुन लो गुखार मेला लेओ बचाये। आल्हा सुनकर लोगों में जोश भर आया। कार्यक्रम के अन्त में प्रसाद वितरित किया गया। डॉ0 अनुरागी ने आये हुये भक्तों का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों के अनर्गल विरोध से वृहद गौशाला का निर्माण प्रस्ताव अधर में फंसा

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। करीब छह करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली वृहद गौशाला के निर्माण में ग्रामीणों ने लेखपाल के भड़काने पर अड़ंगा लगाना शुरू कर दिया है। इससे इस वृहद गौशाला का निर्माण खटाई में पड़ता हुआ नजर आने लगा है। लेकिन अभी अधिकारी प्रस्ताव कराने के लिए प्रयासरत है। क्षेत्र पंचायत करीब छह करोड़ की लागत से 30 बीघा जमीन पर वृहद गौशाला का निर्माण कराकर किसानों को बेसहारा गोवंश से बड़ी राहत दिलाने की तैयारी में है। इसके लिए अतरैया गांव की करीब साढ़े तीन सौ बीघे ग्राम समाज की भूमि में से 30 बीघा भूमि लेने की तैयारी थी। लेकिन इस तैयारी में अंदर खाने यहां पर तैनात लेखपाल ने ग्रामीणों के भड़का कर अड़ंगा लगा दिया है। ग्रामीण ग्राम पंचायत सदस्यों पर प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं करने का दबाव बना रहे। इससे प्रस्ताव खटाई पर पड़ गया है। शनिवार को पंचायत भवन में हुई बैठक में कोरम पूर्ण नहीं होने पर बैठक को स्थगित करना पड़ा। ग्रामीणों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि यहां तैनात रहे लेखपाल ने कुछ ग्रामीणों से कृषि योग्य जमीन के पट्टे कराने के नाम पर मोटी रकम वसूल रखी है। लेखपाल ने गांव जाकर ग्रामीणों को उकसाया है कि वह किसी भी सूरत में प्रस्ताव नहीं होने दे, नहीं तो उनके पट्टे खटाई में पड़ जाएंगे। बस यही बात ग्रामीणों के मन में घर कर गई है, कि अगर गौशाला के लिए जमीन दे दी गई तो वह पट्टे से वंचित हो जाएंगे। जबकि ऐसा कुछ नहीं है। गौशाला का निर्माण महज 30 बीघा में होना है। इसके बाद भी 300 बीघा से ज्यादा जमीन पंचायत के पास बचेगी। शनिवार को प्रस्ताव पास करने के लिए ब्लॉक प्रमुख जय नरायन सिंह यादव, खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार, एडीओ पंचायत सुरेश कुमार, ग्राम पंचायत सदस्य पंचायत भवन में एकत्र हुए थे। लेकिन कोरम पूरा नहीं होने पर बैठक को स्थगित करके सोमवार को दोबारा बैठक बुलाई गई है। उम्मीद है कि सोमवार को बैठक में प्रस्ताव को हरी झंडी मिल जाएगी। अगर किसी कारण से प्रस्ताव पारित नहीं होता है तो वृहद गौशाला का निर्माण अधर में फंस सकता है

बड्स एन ब्लूम्स स्कूल में धूमधाम से मनाई गई हरियाली तीज

अमन लेखनी समाचार

गुरसरांय। नगर के बड्स एन ब्लूम्स स्कूल में हरियाली सावन तीज धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर शंकर पार्वती जी की प्रतिमा पर सभी ने पुष्प चढ़ाकर पूजा अर्चना की।श्रीमती नीरज पाठक, बबीता पटेल, शिवांगी साहू, ने सावन गीत प्रस्तुत किए। सभी ने सावन के गीतों पर नृत्य किया। इस मौके पर महिलाओं ने मिलकर तरह-तरह के मनोरंजन गेम्स खेलें। विद्यालय की प्रधानाचार्या अमिता पटेल ने सभी को हरियाली तीज का धार्मिक महत्व बताते हुए कहा कि माता पार्वती ने कई जन्मों तक कठोर तपस्या कर भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त किया था।हरियाली तीज का दिन उनके पुनर्मिलन का प्रतीक माना जाता है सुहागने इसे बड़ी धूमधाम से हरे वस्त्र पहन सोलह श्रृंगार कर मनाती हैं। इस अवसर पर सभी महिलाओं को उपहार बांटे गए।

कार्यक्रम का संचालन बबली मिश्रा एवं पिंकी पटेल ने किया। इस अवसर पर राधा, निर्जला, पलक, कनिष्का, आरती, अलीजा, अपर्णा, सीमा, आशी, रोशनी, मधु, अपूर्वा सम्मिलित हुई।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा नकल विहीन सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। कड़ी सुरक्षा के बीच समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा नकल विहीन सम्पन्न कराई गई। कस्बे के तीनों परीक्षा केन्द्रों में शांतिपूर्वक संपन्न हुई कोई अपय़ि समाचार देखने को नहीं मिला परीक्षार्थी परीक्षा के बाद अपने-अपने गंतव्य स्थान की ओर निकल गए शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा को नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए प्रशासन 3 दिन से लगातार तैयारी करता रहा है रविवार को शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न हुई क्षेत्राधिकारी विनीता पहल कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह लगातार परीक्षा केंद्रों की निगरानी करते रहे।

बताते चलें कि समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के लिए नगर में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए थे जिसमें गांधी इंटर कॉलेज में 480 परीक्षार्थियों में 202 परीक्षाथीर्यों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया और 278 छात्र अनुपस्थित रहे यह जानकारी स्टेटिक मजिस्ट्रेट करणवीर सिंह ने दी वहीं नेशनल इंटर कॉलेज के स्टेटिक मजिस्ट्रेट शेखर मिश्रा ने बताया कि यहां पर 480 परीक्षाथीर्यों का केंद्र बनाया गया था जिसमें 183 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया शेष 297 अभ्यर्थी अनुपस्थित पाए गए। इसी प्रकार रहमानिया इंटर कॉलेज के स्टेटिक मजिस्ट्रेट महेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया की 480 परीक्षार्थियों का केंद्र रहमानिया होने के बावजूद 147 परीक्षार्थी ही परीक्षा में उपस्थित हो सके जिसमें 333 परीक्षार्थी अनुपस्थित है। गांधी विद्यालय के परीक्षार्थी आशीष फतेहपुर, शुभम गुप्ता फतेहपुर, मोहम्मद करीम फतेहपुर, विनोद कुमार फतेहपुर, प्रवीण कुमार फतेहपुर ने बताया कि परीक्षा केंद्र में शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न हुई इसी प्रकार रहमानिया इंटर कॉलेज के छात्र अखिलेश, रोहित चौबे, सत्येंद्र आदि लोगों ने बताया कि सही समय पर हम लोग पहुंच गए थे नकल विहीन परीक्षा संपन्न हुई प्रशासन का अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ। इसी प्रकार नेशनल इंटर कॉलेज के छात्र सुमित पांडे बिंदकी फतेहपुर पंकज कुमार बिन्दकी फतेहपुर हिमांशु बिंदकी फतेहपुर निशांत कुमार फतेहपुर ने बताया की परीक्षा में केंद्र व्यवस्थापक एवं प्रशासन का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराई गई कहीं कोई परेशानी नही हुई

मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा इंगोहटा रेलवे स्टेशन, यात्री बेहाल

टिकट काउंटर न होने से बारिश में भीगते हैं यात्री

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। कानपुर-बांदा रेलमार्ग पर स्थित इंगोहटा रेलवे स्टेशन बीते 40 वर्षों से बदहाली और उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। स्थायी भवन सहित प्लेटफार्म न होने के साथ बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं है। यह स्टेशन अब रेलवे विभाग की उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता का प्रतीक बन चुका है।

स्थानीय निवासी माधव प्रसाद, धनीराम साहू, राकेश गुप्ता, महेश कुमार, रामप्रसाद, महेंद्र, सज्जन, रामकुमार आदि ने बताया कि यात्रियों को खुले आसमान के नीचे बैठकर ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। बरसात हो या कड़ाके की ठंड या झुलसा देने वाली गर्मी, हर मौसम में यात्री परेशान रहते हैं। पानी के लिए केवल एक हैंडपंप उपलब्ध है, जो बढ़ती यात्री संख्या के लिहाज से नाकाफी है। लोगों ने बताया कि लगभग 40 वर्ष पूर्व स्टेशन मास्टर की हत्या की घटना के बाद रेलवे ने स्थायी व्यवस्थाएं समाप्त कर दी थीं और ठेका प्रणाली लागू कर दी थी। तब से अब तक स्टेशन की दशा बद से बदतर होती चली गई। पहले यहां स्टेशन मास्टर व स्टाफ की तैनाती होती थी। मगर अब कोई प्रशासनिक व्यवस्था शेष नहीं बची है। रेलवे द्वारा दोहरीकरण कार्य के दौरान पुराना स्टेशन भवन तो गिरा दिया गया, लेकिन नया भवन अब तक नहीं बन सका। जिससे यात्री अंधेरे और अव्यवस्था के बीच सफर करने को मजबूर हैं। विशेष रूप से बुजुर्गों और दिव्यांगों को प्लेटफॉर्म न होने से ट्रेन में चढ़ने-उतरने में काफी दिक्कत होती है। स्टेशन पर ठेकेदार को प्रतिदिन रागौल स्टेशन (लगभग 10 किमी दूर) से टिकट लाकर यात्रियों को देने होते हैं। प्रतिदिन यहां से करीब 250 से अधिक यात्री सफर करते हैं। जिसमें इंगोहटा, बिदोखर, बंडा, मवईजार, कल्ला, धनपुरा, खडेहीजार, अतरार, छानी, बजेहटा आदि 20 से अधिक गांवों से आने वाले लोग शामिल रहते हैं। उन्हें केवल सुबह और शाम के समय ही ट्रेनों की सुविधा मिलती है। जब देशभर में रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की मुहिम तेजी से चल रही है। ऐसे में इंगोहटा स्टेशन की दशा इस विकास यात्रा पर सवाल खड़े करती है। न रेलवे विभाग और न ही जनप्रतिनिधियों ने इस ओर कोई ठोस प्रयास किए हैं। क्षेत्रीय जनता ने रेलवे के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इंगोहटा स्टेशन पर यात्री सुविधाएं यथाशीघ्र बहाल की जाएं ताकि ग्रामीण यात्रियों को राहत मिल सके।

सत्य से बड़ा कोई जप, तप और धर्म आराधना नहीं है- पंडित बृजनंदन मिश्रा

अमन लेखनी समाचार

महोबा। कुलपहाड़ के मां बाघबिराजन धाम मंदिर प्रांगण में चल रही संगीतमय शिव महापुराण कथा में श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथा व्यास पंडित बृजनंदन मिश्रा ने अखिलेश्वर महादेव की कथा कहते हुए कहा कि महादेव अचल, अनादि और अनंत है समूचे सनातनियों को शिव की आराधना करना चाहिए, शिव की भक्ति से आप जो चाहते हैं वह प्राप्त हो सकता है सभी देव हैं और बाबा भोलेनाथ महादेव हैं कहां कि ब्रह्मा जी के मंदिर न होने का कारण है उनका झूठ बोलना गवाही के लिए केतकी पुष्प गौ माता को लेकर आए थे झूठ बोलने पर ब्रह्मा जी को भगवान शंकर ने श्राप दे दिया था कि पृथ्वी पर तुम्हारा कोई मंदिर नहीं होगा न ही केतकी का पुष्प शंकर जी पर अर्पित होगा और गौ माता का मुख अपवित्र रहेगा इसलिए गौ माता की पूछ की पूजा होती है गोदान करते समय ब्राह्मण लोग गौ माता की पूछ की पूजा करते हैं ब्रह्मदेव के सत्य अभिमान को मिटाने के लिए भगवान शंकर ने महाकाल का रूप धारण किया बताया कि आरती ओम के आकार में करना चाहिए आरती में पांच वर्तिका युक्त महादेव के शिवालय मंदिर में सात बार की जाती है आज हम एकाग्रचित श्रद्धा भाव होकर पूजन नहीं करते हैं जिस दिन एकाग्र मन से पूजन करेंगे आपको उसका फल प्रभु कृपा से अवश्य मिलेगा हरि ओम सब में समाया है मेरा भोला नगर में आया है कहा कि सत्य से बड़ा कोई जप व तप धर्म आराधना नहीं है जो सत्य पर चलता है उससे कभी पाप नहीं होता शिव से जुड़ना मतलब सत्य से जोड़ना है बताया कि बट में ब्रह्मदेव पीपल में नारायण बेलपत्र में शिव का वास है सनातन में बट पीपल में पितरों का पूजन होता है ब्रह्मा जी के रूप में पूजे जाते हैं भगवान नारायण सृष्टि भूलोक में सत्यनारायण के रूप में पूजे जाते हैं आज घर घर में भगवान सत्यनारायण की आराधना व पूजा होती है शिव महापुराण के मुख्य यजमान तुलसा अरविंद साहू और व्यवस्था उनके परिवार द्वारा मां बाघ बिराजन समिति के सदस्यों द्वारा पुजारी पंडित नरेंद्र दुबे महाराज की देखरेख में की जा रही है कार्यक्रम मे काफी संख्या में भक्तगण पहुंचकर कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं

नरायच उच्च प्राथमिक विद्यालय में जल भराव की स्थिति बनी है

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय नरायच में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी जल भराव की स्थिति बनी हुई है। विगत कई वर्षों से इस विद्यालय परिसर में जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं हो पा रही है। जहां विद्यालय के ऊपर से हाई टेंशन की लाइन निकली हुई है जिससे करंट आने का भय बना रहता है क्षेत्र के नरायच गांव मे स्थित कक्षा 1 से 8 तक परिषदीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुखदेव रंजन ने बताया कि विगत वर्षों से लगातार ग्राम प्रधान सहित उच्चाधिकारियों को लिखित रूप से एवं मौखिक रूप से अवगत कराया जा रहा है परंतु बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ हो रहा है। जल भराव के कारण विद्यालय की दीवारें पूर्ण रुप से जर्जर हो चुकी हैं और धस चुकीं हैं। विद्यालय के ऊपर से हाई टेंशन लाइन निकली हुई है जो बरसात के मौसम में करंट आने का खतरा बना रहता है ऐसी परिस्थितियों में विद्यालय एवं बच्चों का भविष्य कैसे उज्जवल हो सकता है। वही अभिभावकों ने अपने बच्चों को विद्यालय आने से मना करते हैं लेकिन किसी तरह अध्यापक अभिभावकों को समझा बुझाकर बच्चों को बुलाकर विद्या अध्ययन कराते हैं इस विद्यालय की ओर किसी का भी ध्यान नहीं गया, क्यों नहीं गया? यह तो उच्चाधिकारी ही जानते होंगें। विद्यालय की स्थिति की ओर उच्चाधिकारियों को आकृष्ट करते हुए ध्यान में रखना होगा कि किसी अप्रिय घटना घटित होने से पहले ही भवन निर्माण एवं जल भराव की स्थिति को समाप्त किया जाए

स्कूलों को बंद करने के विरोध में आम आदमी पार्टी पार्टी ने प्रदर्शन किया

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर। सरकारी स्कूलों को बंद करने के मुद्दे पर योगी सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने ग्राम बहरेला पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। गाँव के निवासियों ने गाँव के प्राथमिक विद्यालय के बाहर इकट्ठे होकर योगी सरकार द्वारा 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ नारेबाजी किया जिला अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि योगी सरकार 27000 शराब की दुकाने खोलकर 27000 सरकारी स्कूलों को बंद करने जा रही है, आम आदमी पार्टी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी। योगी सरकार के इस तुगलकी फरमान के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष करने उतर आई है ।जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा ।जबकि भाजपा स्कूल बंद करने में लगी है ।इससे स्पष्ट है कि सरकार की प्राथमिकता बच्चों की शिक्षा नहीं है ।जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी द्वारा जारी नंबर- 75 0004 0004 पर मिस्ड कॉल करके आप भी इस क्रांति का हिस्सा बनिए और इन बच्चों के स्कूल इन्हें वापस दिलाइए। इस अवसर में गुलाम मोहम्मद, आदित्य प्रजापति, अनिल विश्वकर्म, मोहम्मद साबिर जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सहित बहरेला गाँव के कई लोग शामिल हुए

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा

हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं

देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

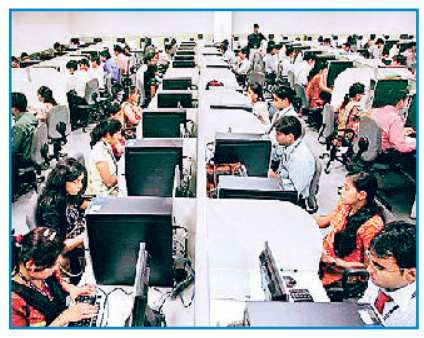

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

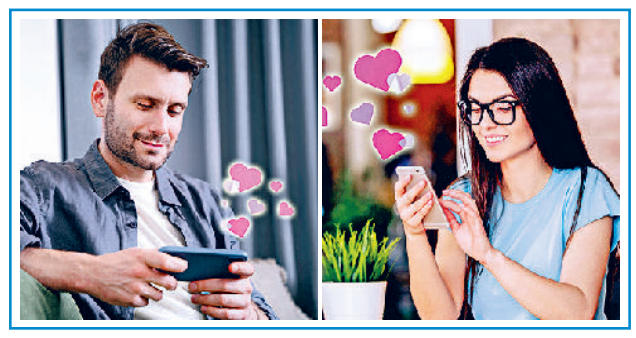

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी / गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं.... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं,
संपादक: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली